राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,23जून–2021 वर्ष–4, अंक –150पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नारद स्टिंग केस–ममता की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट के जज अनिरुद्ध बोस ने खुद को किया अलग

नई दिल्ली। नारद स्टिंग मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने खुद को अलग कर लिया है। बता दें कि ममता ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मामले में हलफनामा दाखिल करने के लिए इजाजत नहीं देने के आदेश को चुनौती दी है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस हेमंत गुप्ता की पीठ आज ममता और राज्य के कानून मंत्री मलय घटक द्वारा दायर अलग-अलग अपीलों पर सुनवाई करने वाली थी। अब इस मामले की दूसरी बेंच सुनवाई करेगी। कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा मामले में हलफनामा दायर करने की इजाजत देने से मना करने के बाद ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ममता बनर्जी को इस मामले में पक्षकार बनाया गया था जब सीबीआइ ने तृणमूल कांग्रेस के चार मंत्रियों को गिरफ्तार किया था और वह सीबीआई कार्यालय पहुंची थीं। पिछले महीने, नारद घोटाले में टीएमसी के चार मंत्रियों - फिरहाद हकीम, सुब्रत मुखर्जी, विधायक मदन मित्रा और पूर्व मेयर सोवन चटर्जी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। मामला एक स्टिंग ऑपरेशन से संबंधित है, जिसे आमतौर पर नारद स्टिंग ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है। इसमें ये पूर्व सरकारी कर्मचारी स्टिंग करने वाले शख्स सैमुअल से अवैध रूप से रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हो गए थे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मलय घटक द्वारा दायर अपील पर 22 जून को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने 18 जून को कोलकाता हाईकोर्ट से अनुरोध किया था वह शीर्ष अदालत द्वारा आदेश के खिलाफ राज्य सरकार और घटक की याचिका पर विचार करने के एक दिन बाद मामले की सुनवाई करे। 9 जून को, कलकत्ता हाई कोर्च की पांच-जजों की पीठ ने नारद स्टिंग टेप मामले को विशेष सीबीआइ अदालत से उच्च न्यायालय में ट्रांसफर करने के लिए सीबीआई के आवेदन पर सुनवाई करते हुए कहा था।

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस

श्वेत पत्र जारी करने का मकसद सरकार को रास्ता दिखाना, तीसरी लहर के लिए तैयार रहे केंद्र

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सरकार के खिलाफ हमला बोलने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को कोरोना वायरस को लेकर श्वेत पत्र जारी कर सरकार से कोरोना पर हुई गलती सुधारने की मांग की।

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर की रफ्तार थम गई है। वहीं टीकाकरण अभियान तेज हो गया है, लेकिन जिस अनुपात में लोगों का वैक्सीनेशन होना चाहिए वह नहीं हो पा रहा है। कोरोना को लेकर सरकार की बनाई नीतियों के खिलाफ मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस लगातार घेरती आ रही है। इसी कड़ी में आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कोरोना को लेकर श्वेत पत्र जारी कर सरकार से गलती सुधारने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि श्वेत पत्र का मकसद सरकार को रास्ता दिखाने का है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राहुल गांधी ने संबोधित करते हुए कहा कि दूसरी लहर संभालने में सरकार विफल रही है। क्योंकि सरकार ने इसकी कोई तैयारी नहीं की थी। सरकार की लापरवाही से लाखों लोगों की मौत हुई, करोड़ों लोग कोरोना से प्रभावित हुए। अब तीसरी लहर, चौथी लहर आने की संभावना है। पूरा देश जानता है कि तीसरी लहर आने जा रही है, ऐसे में सरकार को पहले से इसकी तैयारी करनी चाहिए। राहुल गांधी ने सरकार से कोरोना के दौरान गरीबों पर भी ध्यान देने की मांग की।

गौरतलब है कि बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ लगातार हमलावर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर भी मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की।

कोरोना को लेकर सरकार की बनाई नीतियों के खिलाफ मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस लगातार घेरती आ रही है। इसी कड़ी में आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कोरोना को लेकर श्वेत पत्र जारी कर सरकार से गलती सुधारने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि श्वेत पत्र का मकसद सरकार को रास्ता दिखाने का है।

उन्होंने बिना किसी का नाम लिए खास अंदाज़ में सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ट्विटर पर हैशटैग के साथ लिखा, ये योग दिवस है, न कि योग दिवस की आड़ में छिपने का दिन।

4 लाख की सहायता राशि नहीं देने पर सरकार पर सवाल

बीते दिन राहुल गांधी ने कोरोना महामारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देने में केंद्र की ओर से असमर्थता जताए जाने पर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा । राहुल गांधी ने ट्वीट किया जीवन की कीमत लगाना संभव नहीं है, सरकारी मुआवजा सिर्फ एक छोटी सी सहायता होती है, लेकिन मोदी सरकार यह भी करने को तैयार नहीं। राहुल ने ट्वीट में आगे लिखा कोविड महामारी में पहले इलाज की कमी, फिर झूठे आंकड़े और ऊपर से सरकार की यह क्रूरता।

बिहार में अगले दो दिन दो दिन होगी जोरदार बारिश

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से जोरदार बारिश झेल रहे बिहार में अगले दो दिनों तक और वर्षा जारी रह सकती है। उत्तर पश्चिम बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में चक्रवात के असर के चलते ऐसा होगा। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में भी आज से लेकर अगले 5 दिनों तक बारिश का अनुमान जताया गया है। दक्षिण पश्चिम से आने वाली नम हवाओं के चलते असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश होगी। इसके अलावा बिहार, यूपी और झारखंड में भी बारिश देखने को मिलेगी। उत्तर पश्चिमी बिहार और उससे सटे पूर्वी उत्तर प्रदेश पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन और उत्तर पश्चिमी राजस्थान से उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक एक ट्रफ के प्रभाव में, अगले 48 घंटों के दौरान बिहार में भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून (एनएलएम) की उत्तरी सीमा बाड़मेर, भीलवाड़ा, धौलपुर, अलीगढ़, मेरठ, अंबाला और अमृतसर से होकर गुजर रही है। राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना कम है। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने रविवार को कहा कि अगले चार से पांच दिनों तक हम दिल्ली और उसके आस-पास के इलाकों में मानसून की शुरुआत

की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। यह मुख्य रूप से पश्चिमी हवा के पैटर्न के कारण है जो मानसून के प्रवाह को कमजोर कर रहा है। वास्तव में, पश्चिमी तट पर मानसून की बारिश धीरे-धीरे कम होने लग सकती है क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कोई लो प्रेशर सिस्टम और डिप्रेशन विकसित नहीं हो रहा है।

तीसरे मोर्चे के गठन के लिए शरद पवार ने नहीं बुलाई बैठक, अटकलों के बीच आई सफाई

नई दिल्ली। अगले लोकसभा चुनावों में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए तीसरे मोर्चा बनाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। एक दिन पहले ही चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मुलाकात के बाद आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाने से एक बार फिर से तीसरे मोर्चे के गठन को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है। हालांकि, शरद पवार की मंगलवार को बुलाई बैठक को लेकर सफाई दी गई है कि यह तीसरे मोर्चे की बैठक नहीं है।

एनडीटीवी की खबर के मुताबिक, बैठक से जुड़े लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रमंच की बैठक के दौरान मौजूदा हालात पर चर्चा होगी न कि तीसरे मोर्चे या फिर 2024 के चुनावों को लेकर। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने भी बीती शाम ट्वीट किया था कि एनसीपी चीफ शरद पवार साल 2018 में बनाए पॉलिटिकल ऐक्शन ग्रुप %राष्ट्रमंच% की बैठक की मेजबानी करेंगे।

एनसीपी नेता नवाब मलिक के मुताबिक, इस बैठक में राजनेताओं के अलावा कई अन्य नामी लोगों को भी बुलाया गया है। बैठक के लिए वरिष्ठ वकील केटीएस तुलसी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व राजदूत केसी सिंह, गीतकार जावेद अख्तर, फिल्म

निर्माता प्रीतिश नंदी, वरिष्ठ वकील कोलिन गोंजालविस, मीडिया पर्सनैलिटी करण थापर और आशुतोष को भी न्योता दिया गया है।

बता दें कि शरद पवार के घर बुलाई गई इस बैठक को लेकर इसलिए भी सियासी दुनिया में अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि सोमवार को ही वह चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मिले थे। पिछले 2 हफ्तों के अंदर प्रशांत किशोर और शरद पवार की यह दूसरी मुलाकात थी। हालांकि, प्रशांत किशोर ने मुलाकात के बाद यह स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि कोई तीसरा या चौथा मोर्चा अगले लोकसभा चुनावों में बीजेपी को चुनौती दे सकेगा।

बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार शाम को विपक्षी दलों की बैठक बुलाई है। बैठक में तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और आम आदमी पार्टी सहित कई अन्य पार्टियों के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। हालांकि, कांग्रेस इस बैठक में शामिल होगी या नहीं इसको लेकर संशय बरकरार है। राष्ट्र मंच का गठन पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने 2018 में किया था। इस मंच का मकसद केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना था। पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान यशवंत सिन्हा तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। पवार के घर पर होने वाली विपक्षी नेताओं की बैठक इसी बैनर के तहत होगी।

कोरोना टीकाकरण का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, भारत में एक ही दिन में लगे 86 लाख टीके

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण की नीति में बदलाव करने के बाद पहले ही दिन ही भारत ने दुनिया के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। देश में हर वयस्क को सरकार की ओर से मुफ्त टीका लगाए जाने के पहले दिन सोमवार को बड़ा रिकॉर्ड बन गया। सोमवार को भारत ने 86 लाख से ज्यादा टीके लगाए। दुनिया में अब तक एक दिन में लगाए जाने वाले टीकों की यह सबसे ज्यादा संख्या है। टीकाकरण का यह रिकॉर्ड बनने के बाद पीएम मोदी ने खुशी जताते हुए वेलडन इंडिया कहा। देश में एक दिन में सबसे ज्यादा टीके लगाने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश सबसे ऊपर रहा जहां सोमवार को 16 लाख टीके लगाए गए. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में 10 लाख टीके एक ही दिन में लगाने का लक्ष्य तय किया था, लेकिन हेल्थ वर्कर्स ने टारगेट से डेढ़ गुना ज्यादा टीके लगा दिए। दूसरे स्थान पर कर्नाटक है, जहां 11 लाख से ज्यादा टीके लगाए गए हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। यहां सात लाख से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों देश को संबोधित करते हुए 21 जून से केंद्र सरकार की ओर से सभी वयस्क लोगों को मुफ्त कोरोना टीका लगाए जाने का ऐलान किया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि राज्य सरकारों को दी गई 25 फीसदी टीकों की खरीद की जिम्मेदारी भी केंद्र सरकार उठाएगी। केंद्र सरकार की ओर से सोमवार को दी गई जानकारी में बताया गया कि मई महीने में सभी राज्यों को 7.9 करोड़ टीके दिए गए थे। वहीं जून में 11.78 करोड़ कोरोना टीके राज्यों को दिए गए हैं। बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया है कि इस साल के अंत तक देश में सभी वयस्क आबादी को कोरोना टीका लगा दिया जाएगा।

कोरोना वैक्सीन लेने के लिए ग्राहकों को ऑफर दे रही कई प्राइवेट कंपनियां और ब्रांड्स

नई दिल्ली। किसी ने नहीं सोचा होगा कि कोरोना महामारी किसी तरह के ऑफर का भी जरिया बन सकेगी। लेकिन इस महामारी ने इसको भी सच कर दिया है। दरअसल, अब प्राइवेट कंपनियां और बड़े ब्रांड्स अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर लाने में जुट गए हैं। देश के उत्तर और पूर्व में मैक्डोनाल्ड्स इंडिया ने अपने मोबाइल एप पर वी केयर के नाम से इसकी शुरुआत कर दी है। कंपनी इसके जरिए कोरोना वैक्सीन ले चुके अपने ग्राहकों को कम से कम 500 रुपये के ऑर्डर पर 20 फीसद तक की छूट का ऑफर दे रही है। उत्तर-पूर्व भारत में इसका संचालन करने वाली कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट्स के सीओओ राजीव रंजन का कहना है कि देश में चल रहे वैक्सीनेशन प्रोग्राम के लिए ये कदम बेहद खास है। उनका कहना है कि ब्रांड के तौर कंपनी का अपने ग्राहकों से गहरा जुड़ाव है और कंपनी को इस बात की भी खुशी है कि वो देश को

महामारी से उबारने में सहायक साबित हो रहे हैं। ये एक अनोखा तरीका है जिसके जरिए हम इस काम में योगदान दे रहे हैं। मैक्डोनाल्ड के अलावा दिल्ली और गुरुग्राम के कई रेस्टोरेंट भी अपने ग्राहकों की संख्या को बढ़ाने के लिए इसी तरह का ऑफर दे रहे हैं। इस तरह का ऑफर देने वाली कंपनियों का मकसद भले ही इसके जरिए अपना बिजनेस बढ़ाना है लेकिन उन्हें इस बात की भी उम्मीद है कि वो इसके लिए वैक्सीन के प्रति लोगों को जागरुक करने में भी कामयाब हो सकेंगे। ऑनलाइन किराना स्टोर ग्रोफर्स ने भी वैक्सीनेशन प्रोग्राम के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए इसी तरह के ऑफर का सहारा लिया है। ग्रोफर्स ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन यूनीसेफ से गठजोड़ किया है। ग्रोफर्स अपने ऑफर के जरिए उन लोगों को जिन्होंने कोरोना वैक्सीन की डोज ले ली है, उन्हें एक माह के लिए फ्री में एसबीसी (स्मार्ट बचत क्लब) की सदस्यता दे रहा है। इस स्कीम के जरिए ग्राहकों को कई तरह की छूट मिल सकती है। ऐसा की ऑफर लेकर डीटीएच सेवा प्रदाता डिश टीवी भी सामने आया है। ये कंपनी अपने ग्राहकों को एक दिन का एंटरटेनमेंट मुफ्त में मुहैया करवा रही है। अब इन कंपनियों के अलावा प्राइवेट नर्सिंग होम भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने उन लोगों के लिए शुरू की जिन्होंने कोरोना रोधी टीके की कम से कम एक खुराक ले रखी है, के लिए पिछले महीने से एक सावधि जमा योजना इम्यून इंडिया डिपॉजिट स्कीम लागू की है। इस स्कीम का मैच्युरिटी टाइम 1,111 दिनों का है और इसके तहत ग्राहकों को 5.35 फीसद ब्याज देती है जबकि मूल ब्याज दर 5.1 फीसद है।

कोरोना से मरे रेल कर्मियों के आश्रितों के लिए आगे आया रेलवे, देगा नौकरी, लेकिन...

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में देश भर में लाखों लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा। इस दौरान मृतकों के आश्रितों के परिवारों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह डगमगा गई। ऐसे में उत्तर रेलवे ने कोरोना संक्रमण के दौरान अपनी जान गंवाने वाले रेलवे कर्मचारियों के आश्रितों की मदद के लिए ठोस कदम उठाया है। रेलवे कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी देने के लिए विशेष अभियान चलाएगा। आश्रित को उसकी योग्यता के अनुसार रेलवे में किसी पद पर नियुक्ति मिलेगी।

उत्तर रेलवे के दिल्ली समेत प्रत्येक (अंबाला, फिरोजपुर, लखनऊ, मुरादाबाद) मंडल में 28 जून को शिविर लगाया जाएगा। दिल्ली मंडल में कोरोना संक्रमण के चलते करीब 75 रेल कर्मचारियों की जान चली गई।

देनी होगी लिखित परीक्षा और इंटरव्यू

नियुक्ति से पहले आवेदक की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज की जांच के साथ लिखित परीक्षा व साक्षात्कार होगा। इसमें सफल रहने पर 2 जुलाई को मेडिकल जांच होगी। परीक्षा की तैयारी के लिए 23 व 24 जून को ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन के अध्यक्ष एसएन मलिक ने कहा कि

रेलकर्मियों को कोरोना योद्धा घोषित करना चाहिए।

केंद्र ने मुआवजा देने से किया था इंकार

इधर, मृतकों के आश्रितों के परिवारों की आर्थिक स्थिति तथा दिक्कतों को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि मृतकों पर निर्भर परिवारों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को चार लाख रुपए मुआवजा राशि दी जानी चाहिए। लेकिन याचिका का जवाब दाखिल करते हुए केन्द्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि वह कोरोना संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपए का मुआवजा नहीं दे सकती। सरकार ने कहा कि आपदा प्रबंधन कानून के तहत केवल प्राकृतिक आपदाओं यथा बाढ़, भूकंप आदि पर ही मुआवजा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यदि एक बीमारी से होने वाली मृत्यु पर मुआवजा दिया जाए और दूसरी से मृत्यु पर नहीं तो यह असंगत होगा।

इसके साथ ही सरकार ने कहा थी कि यदि सभी जान गंवाने वाले लोगों को चार लाख रुपए की सहायता राशि दी गई तो इससे एसडीआरएफ का पूरा पैसा इसी एक कार्य में समाप्त हो जाएगा और कोविड 19 के खिलाफ लड़ने के लिए संसाधनों की कमी हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर पर विमर्श

अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 व 35-ए की समाप्ति और राज्य का दर्जा खत्म किए जाने के बाद से ही जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर सबकी नजर केंद्र सरकार के अगले बड़े कदम पर टिकी थी। ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर के मसले पर गुरुवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक एक बड़ी पहल है। यह बैठक इस केंद्र शासित क्षेत्र की सांविधानिक स्थिति तय करने और वहां पूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करने के लिहाज से काफी अहमियत रखती है। जब अनुच्छेद 370 हटा, तब काफी आशंकाएं जताई गई थीं कि आतंकी बड़े पैमाने पर उत्पात मचाएंगे और पाकिस्तान इस मसले पर भारत के खिलाफ नए सिरे से देशों की गोलबंदी की कोशिश करेगा, लेकिन भारत सरकार की दूरदर्शी कूटनीति की बदौलत न सिर्फ पाकिस्तान, बल्कि उसके सदाबहार मित्र चीन को भी एक से अधिक बार संयुक्त राष्ट्र में मुंह की खानी पड़ी। जहां तक, आतंकी वारदात का सवाल है, तो वे भले ही पूरी तरह बंद न हो सकी हों, लेकिन सुरक्षा बलों की सख्ती और चौकसी ने दहशतगर्दों को किसी बड़ी घटना को अंजाम नहीं देने दिया। जम्मू-कश्मीर के मामले में सरकार को लगा वक्त इसकी संवेदनशीलता को खुद-ब-खुद उजागर कर देता है। हालांकि, वहां हालात को सामान्य बनाने की दिशा में चरणबद्ध तरीके से लगातार रियायतें दी जाती रहीं, और उनका असर भी देखने को मिला। पिछले साल दिसंबर में पहली बार हुए जिला विकास परिषद (डीडीसी) के सफल चुनाव इसकी तस्दीक करते हैं। 20 जिलों में हुए उन चुनावों में अच्छी तादाद में लोगों ने भाग लिया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीडीपी समेत सात दलों के गुपकार गठबंधन ने 13 जिलों में और भाजपा ने छह में जीत दर्ज की थी। इस तरह, राजनीतिक प्रक्रिया का आगाज तो वहां पहले ही हो चुका है। पिछले अगस्त में परिपक्व राजनेता मनोज सिन्हा को उप-राज्यपाल बनाए जाने के साथ ही स्पष्ट हो गया था कि केंद्र अब वहां के लोगों को राजनीतिक खुदमुख्तारी सौंपने को लेकर गंभीर हो चला है। और यदि महामारी ने देश को हलकान न किया होता, तो जम्मू-कश्मीर को लेकर तस्वीर अब तक काफी साफ हो चुकी होती। इस बीच कांग्रेस नेता व पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाने की मांग की है। वैसे, गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में पहले ही यह आश्वासन दे चुके हैं कि सही वक्त आने पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटा दिया जाएगा। इसलिए इस मामले में सरकार और विपक्ष में नीतिगत मतभेद नहीं है। अब जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियों का रुख क्या है, इसके लिए गुरुवार की बैठक पर सबकी नजर होगी। हालांकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी समेत तमाम पार्टियों को यह एहसास हो गया होगा कि अब व्यावहारिक सियासत के सहारे ही वे आगे बढ़ सकती हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों को तरक्की की मुख्यधारा में शामिल होने का उतना ही हक है, जितना देश के किसी अन्य प्रदेश के नागरिक का। उन्हें राजनीतिक गतिरोध का बंधक बनाना उचित नहीं होगा। केंद्र सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती तो है ही कि वहां पूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया जल्द से जल्द बहाल हो और लोग अपनी जिम्मेदार लोकप्रिय सरकार चुन सकें। पर इसके लिए क्षेत्रीय पार्टियों को भी लोगों को भरोसे में लेकर अमन-चैन कायम रखना होगा।

'आज के ट्वीट

गिरफ़्तार

1000 से भी अधिक हिंदुओं को मुसलमान बनाने वाले मोहम्मद उमर और जहांगीर आलम को यूपी पुलिस ने दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ़्तार किया है।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

टीकाकरण: कोविड संक्रमण से बचाव का सबसे बड़ा हथियार

डॉ. राजेश टिक्कस

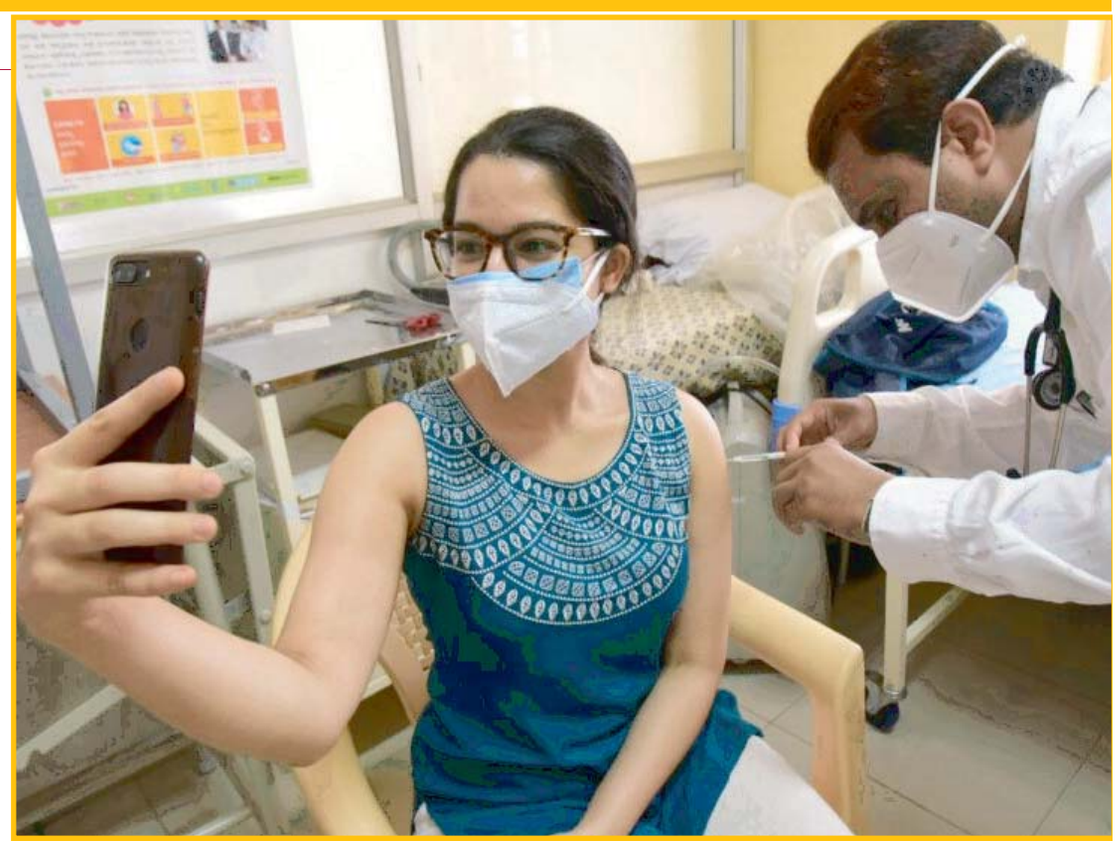

जैसा कि सर्वविदित है कि विगत 14-15 माह से हम सभी भारतवर्ष के लोग तथा संपूर्ण विश्व कोविड-19 नामक संक्रमण से गुजर रहा है। इस संकमण ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को बहुत प्रभावित किया है । इस बीच हमने कोरोना की पहली लहर और दूसरी लहर के प्रकोप को भी सहा है। इस कोविड संक्रमण की अलग-अलग प्रकार की लहर के दौरान बहुत सारे लोगों के रिश्तेदारों, पारिवारिक सदस्यों तथा मित्र मंडली में से कई लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर हानि हुई है। कुछ प्रकरणों में लोगों को अपनी जान गँवानी पड़ी है। अतः दोस्तों, फिर यह बीमारी सर नहीं उठा सके, फिर हमें यह सब सहन न करना पड़े, फिर यह बीमारी विकराल रूप धारण न कर सके तथा वैसे दिन न देखना पड़े, इसके लिये हमें कुछ सावधानियाँ रखनी आवश्यक है जैसे विगत एक वर्ष से बातें भी हो रही हैं कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिये हमें कुछ नियमों का पालन करना चाहिये। इनमें सबसे पहला नियम ये आता है कि हमें सही तरीके से मास्क का उपयोग करना चाहिये। इसके अलावा नियमित रूप से साबुन से हाथों को धोना है तथा सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना है। सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए पब्लिक प्लेस में प्रत्येक व्यक्ति से दो गज की दूरी का ध्यान रखना है। इससे भी ज्यादा आवश्यक है कि जितना हो सके भीड़-भाड़ वाली जगहों में जाने से बचें। हमें पहले से भी ज्यादा अब इन सभी नियमों का ध्यान रखना आवश्यक है। इसके अलावा जो बहुत बड़ा हथियार है जिससे इस कोविड- 19 के संक्रमण पर विजय प्राप्त कर सकते हैं, वो है वैक्सीनेशन या टीकाकरण. टीकाकरण अर्थात कोविड से बचाव हेतु टीका लगवाना। हमारे देश में वर्तमान में कोविड से बचाव हेतु दो टीके उपलब्ध है। इनमें से एक वैक्सीन पूरी तरह से भारत में ही निर्मित हुई है तथा दूसरी का निर्माण भारत में हो रहा है। ये दोनों ही वैक्सीन कोविड संकमण से बचाव में कारगर है तथा इनके डोज की उचित मात्रा व दोनों डोज लगवाने पर कोविड संक्रमण से बहुत हद तक बचाव हो जाता है। जब हम टीकाकरण के द्वारा अपना बचाव कर लेते हैं तो परोक्ष रूप से हम दूसरों का भी कोविड संक्रमण से बचाव कर लेते हैं। कोविड 19 से बचाव हेतु लगाई जा रहा वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है। हमारी सरकार हमारे स्वास्थ की सुरक्षा हेतु पूरी तरह से जागरूक है तथा वह लगातार प्रयासरत है कि इस बीमारी से हमारा बचाव हो सके। इस कार्य हेतु वैक्सीनेशन एक बड़ा हथियार है। अतः मेरा सभी लोगों से अनुरोध है कि वैक्सीनेशन जरूर करवायें। इस तरह न केवल आप कोविड संक्रमण से स्वयं का बचाव कर सकते हैं बल्कि अपने परिजनों, मित्रों तथा मिलने-जुलने वालों एवं आस-पास के सभी लोगों को कोविड से बचाने के लिये अपना उत्तरदायित्व निभाते हैं। जब आप स्वयं संक्रमित नहीं होंगे तो आपके परिवार में छोटे बच्चे, अन्य परिजन तथा आपके संपर्क में आने वाले व्यक्तियों तक कोविड संकमण आपके द्वारा संचारित नहीं होगा । जैसा कि हमें पता है कि वर्तमान में 18 वर्ष तथा इससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिये वैक्सीनेशन की सुविधा उपलब्ध है तो 18 वर्ष और अधिक की आयु के लोग वैक्सीनेशन अवश्य करवायें। वर्तमान में 18 वर्ष की आयु से कम अर्थात बच्चों के लिये वैक्सीनेशन उपलब्ध नहीं है, जब इस आयु वर्ग का वैक्सीनेशन होगा, तब भी इस आयु वर्ग के सभी बच्चों को टीका लगवाना चाहिए। जब हम खुद वैक्सीनेटेड हो जाते हैं तो गंभीर बीमारियाँ हमें नहीं होती है तथा किसी न किसी रूप में यह हमारे परिवार को भी सुरक्षित करता है। परिवार के अन्य लोगों का यदि वैक्सीनेशन हो जाता है तो बच्चों को स्वयं ही इस संक्रमण से सुरक्षा मिल जाती है। प्रायः देखने में आ रहा है कि वैक्सीनेशन से संबंधित अनेक भ्रांतियाँ लोगों के बीच में फैली हुई है जैसे वैक्सीनेशन के उपरांत उन्हें गंभीर साइड इफेक्ट हो जाएंगे या उनके स्वास्थ पर विपरीत असर पड़ेगा वास्तव में ये भ्रांतियाँ निराधार है तथा इनके प्रमाण में कोई वैज्ञानिक तथ्य नहीं है। वैक्सीनेशन के कोई गंभीर साइड इफेक्ट नहीं है, हाँ कुछ साधारण साइड-इफेक्ट देखे जा सकते हैं जैसे हल्का बुखार आना, बदन दर्द होना तथा सरदर्द आदि जो 1-2 दिन में स्वतः ही ठीक हो जाते हैं। वैक्सीनेशन के दौरान ऐसा होना स्वभाविक बात है तथा ये साइड इफेक्ट भी सबको नहीं होते हैं। इस तरह के साइड इफेक्ट कई अन्य वैक्सीन में जैसे बच्चों को अन्य रोगों से बचाव हेतु लगाये जाने वाले वैक्सीन में भी देखे जाते हैं। ये उसी तरह के साइड-इफेक्ट है, जो बिलकुल भी चिंताजनक नहीं है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैक्सीन से हमें जो कोविड-19 जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारी से सुरक्षा मिल रही है, उसकी तुलना में ये छोटे-छोटे साइड इफेक्ट बहुत ही नगण्य हैं। अतः मेरी सलाह है कि भांतियों में तथा तथ्यहीन अफवाहों में न आएँ। बिना किसी झिझक के बेफिक्र होकर वैक्सीन लगवाएँ तथा खुद को और अपने प्रियजनों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाएँ। वैक्सीनेशन पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ, नर्स तथा अन्य फ्रंटलाइन वर्कर जैसे पुलिस, आपातकालीन सेवा प्रदान करने वाले कर्मचारी तथा अत्यावश्यक सेवाओं हेतु तैनात कर्मियों का टीकाकरण हो चुका है तथा ये पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्होंने टीका लगवाकर कोविड-19 से अपना बचाव कर लिया है। कोविड-19 संक्रमण से स्वयं को और खुद के संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों हेतु वैक्सीन का सुरक्षा कवच सुनिश्चित कर वे 24 घण्टे आपकी सेवा में उपस्थित हैं। अतः स्वयं के प्रति और अपने परिवार और समाज के प्रति इस वैश्विक आपदा के समय अपनी जिम्मेदारी निभाएँ और टीका अवश्य लगवाएँ। वैक्सीनेशन के उपरांत भी मास्क का नियमित उपयोग करना है तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है। भीड़-भाड़ वाले स्थानों में नहीं जाना है। इस तरह हम कोरोना वायरस के विरुद्ध हमारी जंग जीत सकते हैं।

(लेखक म.प्र. इंडियन एकेडमी ऑफ पीडिट्रियाक्स के सचिव और गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में प्रोफेसर बाल्य एवं शिशु रोग विभाग है।)

ज्ञान गंगा

माटी से जुड़ाव

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक राजा बहुत ही महत्त्वाकांक्षी था और उसे महल बनाने की बड़ी महत्त्वाकांक्षा रहती थी उसने अनेक महलों का निर्माण करवाया! रानी उनकी इस इच्छा से बड़ी व्यथित रहती थी की पता नहीं क्या करेंगे इतने महल बनवाकर! एक दिन राजा नदी के उस पार एक महात्मा जी के आश्रम के वहां से गुजर रहे थे तो वहां एक संत की समाधि थी और सैनिकों से राजा को सूचना मिली की संत के पास कोई अनमोल खजाना था और उसकी सूचना उन्होंने किसी को न दी पर अंतिम समय में उसकी जानकारी एक पत्थर पर खुदवाकर अपने साथ जमीन में गड़वा दिया और कहा की जिसे भी वो खजाना चाहिए उसे अपने हाथों से अकेले ही इस समाधि से चौरासी हाथ नीचे सूचना पड़ी है निकाल ले और ध्यान रखे उसे बिना कुछ खाए-पिए खोदना है और बिना किसी की सहायता के खोदना है अन्यथा सारी मेहनत व्यर्थ चली जाएगी! राजा अगले दिन अकेले ही आया और अपने हाथों से खोदने लगा और बड़ी मेहनत के बाद उसे वो शिलालेख मिला और उन शब्दों को जब राजा ने पढ़ा तो उसके होश उड़ गए और सारी अकल ठिकाने आ गई! उस पर लिखा था हे? राहगीर संसार के सबसे भूखे प्राणी शायद तुम ही हो और आज मुझे तुम्हारी इस दशा पर बड़ी हंसी आ रही है तुम कितने भी महल बना लो पर तुम्हारा अंतिम महल यही है एक दिन तुम्हें इसी मिट्टी में मिलना है! सावधान राहगीर, जब तक तुम मिट्टी के ऊपर हो तब तक आगे की यात्रा के लिए तुम कुछ जतन कर लेना क्योंकि जब मिट्टी तुम्हारे ऊपर आएगी तो फिर तुम कुछ भी न कर पाओगे यदि तुमने आगे की यात्रा के लिए कुछ जतन न किया तो ध्यान रखना की जैसे ये चौरासी हाथ का कुआं तुमने अकेले खोदा है बस वैसे ही आगे की चौरासी लाख योनियों में तुम्हें अकेले ही भटकना है। और हे? राहगीर ये कभी न भूलना की 'मुझे भी एक दिन इसी मिट्टी में मिलना है' फिर राजा जैसै-तैसे कर के उस कुएं से बाहर आया पर उस शिलालेख के उन शब्दों ने उसे झकझोर के रख दिया और सारे महल जनता को दे दिए और 'अंतिम घर' की तैयारियों में जुट गया! हमें एक बात हमेशा याद रखना की इस मिट्टी ने जब रावण जैसै सत्ताधारियों को नहीं बख्शा तो फिर साधारण मानव क्या चीज है इसलिये ये हमेशा याद रखना की मुझे भी एक दिन इसी मिट्टी में मिलना है क्योंकि ये मिट्टी किसी को नहीं छोड़ने वाली है!

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

आइसबर्ग का टूटना यानी धरती के अस्तित्व को खतरा

रंजना मिश्रा

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि आइसबर्ग का टूटना एक प्राकृतिक बात है, समय-समय पर बर्फ के बने बड़े-बड़े आइसबर्ग अक्सर टूटते रहते हैं, वहीं अधिकतर वैज्ञानिक इसे ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा मानते हैं। तेजी से पिघलते ग्लेशियर पृथ्वी पर मनुष्य के जीवन को समाप्त भी कर सकते हैं अतः यह खतरा बहुत बड़ा और गंभीर है। दुनिया पर इस समय बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है, न सिर्फ महामारी कहर बरपा रही है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण वह वक्त भी करीब आता जा रहा है, जब एक समय पृथ्वी पानी में समा जाएगी, क्योंकि ऐसा लगता है कि भविष्य में दुनिया के खत्म होने का एक बहुत बड़ा कारण ग्लेशियर हो सकते हैं। पूरी दुनिया में क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग पर वैज्ञानिक लोग अक्सर शोध और सेमिनार करते रहते हैं। इन सेमिनारों में कुछ देर के लिए इस विषय पर चर्चा होती है, लेकिन इस पर कोई ठोस एक्शन नहीं लिया जाता। परिणाम स्वरूप ग्लोबल वार्मिंग ने दुनिया में अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है और अब दुनिया के लिए रेड अलार्म भी बज गया है। दरअसल अंटार्कटिका में दुनिया का सबसे बड़ा आइसबर्ग टूटा है, जिसका आकार दिल्ली से 3 गुना ज्यादा बताया जा रहा है। अगर ऐसे ही आकार के आइसबर्ग टूटेंगे तो इस धरती पर तबाही आना तय है। लगातार बर्फ पिघल रही है और समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, लेकिन इसे इतनी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा जितना कि लेना चाहिए। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने बताया है कि दुनिया का सबसे बड़ा आइसबर्ग ए-76 टूटने के बाद अब वेडेल सागर में तैर रहा है। वैज्ञानिकों के लिए ये एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि इन ग्लेशियरों के पिघलने का कारण है ग्लोबल वार्मिंग। यदि पूरी दुनिया के ग्लेशियर पिघल गए तो पृथ्वी का तापमान लगभग 60ए सेंटीग्रेड तक बढ़ जाएगा, इतने अधिक तापमान में इंसानों का रहना मुश्किल हो जाएगा, वो आसानी से इस गर्मी को झेल नहीं पाएंगे। इसका दूसरा परिणाम यह होगा कि दुनिया में शुद्ध पीने के पानी का संकट उत्पन्न हो जाएगा। शुद्ध पानी का स्टॉक खत्म हो जाने से इंसानों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। क्योंकि जल ही जीवन है, इसलिए जल समाप्त तो जीवन समाप्त। हमारे स्वास्थ्य की सुरक्षा जितनी जरूरी है, पृथ्वी का स्वस्थ रहना भी उतना ही आवश्यक है। पृथ्वी पर इस समय करीब दो लाख ग्लेशियर हैं, ये प्राचीन काल से पृथ्वी पर बर्फ का एक विशाल भंडार बने हुए हैं, ऐसे में ग्लेशियरों के पिघलने से जमीन पर रहने वाले दुनिया के उन लोगों पर असर पड़ता है, जिनके लिए ग्लेशियर ही पानी का प्रमुख स्रोत हैं, जैसे हिमालय के ग्लेशियर, आसपास की घाटियों में रहने वाले 25 करोड़ लोगों को उन नदियों का पानी देते हैं, जो आगे जाकर करीब 165 करोड़ लोगों के लिए भोजन, ऊर्जा और कमाई का जरिया बनती हैं। आईपीसीसी की रिपोर्ट में एक रिसर्च के हवाले से चेतावनी दी गई है कि एशिया के ऊंचे पर्वतों के ग्लेशियर अपनी एक तिहाई बर्फ को खो सकते हैं और यह स्थिति तब होगी जब इंसान ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को रोकने में कामयाब हो जाएगा और दुनिया के तापमान की बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित कर दिया जाएगा, यानी दुनिया का बढ़ता यही तापमान ग्लोबल वार्मिंग है। वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड और क्लोरोफ्लोरोकार्बन के बढ़ने से पृथ्वी के औसत तापमान में होने वाली वृद्धि को ही ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है, इसकी वजह से जलवायु परिवर्तन भी होता है। नेचर में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक वर्ष 1980 के बाद से समुद्र का जलस्तर औसतन 9 इंच बढ़ गया है और इस वृद्धि का लगभग एक चौथाई हिस्सा ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण हुआ है। अंटार्कटिका में जितनी बर्फ मौजूद है, यदि वो पिघल जाए तो समुद्रों का जलस्तर 200 फुट तक बढ़ सकता है। इसकी बड़ी वजह है ग्लोबल वार्मिंग, जिससे आइसबर्ग पिघलते हैं और फिर टूटकर समुद्र में गिर जाते हैं। पोस्टडैम इंस्टिट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च का कहना है कि पिछले 100 वर्षों में दुनिया के समुद्र तल में 35त्न की बढ़ोतरी ग्लेशियरों के पिघलने की वजह से हुई है और यह सिलसिला आगे भी जारी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि भविष्य में ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का बढ़ना 30 से 50 सेंटीमीटर तक सीमित रहेगा, क्योंकि अब इन ग्लेशियरों के पास कम ही बर्फ बची है, इसकी तुलना अगर ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ की चादर से करें तो इनके पिघलने से समुद्र तल कई दर्जन मीटर तक बढ़ सकता है, दूसरे शब्दों में तेजी से पिघलते ग्लेशियरों और टूटते आइस सेल्फ पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य का एक बहुत बड़ा लक्षण हैं और इसके लिए जरूरी है कि दुनिया इस विषय को सिर्फ सेमिनार और गोष्ठियों तक ही सीमित न रखे बल्कि इसका विस्तार आम लोगों के बीच होना चाहिए। इस समय दुनिया के सभी देश इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कार्बन उत्सर्जन में कमी आनी चाहिए।

कार्बन उत्सर्जन का मतलब है, पृथ्वी के वातावरण में मौजूद अधिक कार्बन डाइऑक्साइड, यह इसलिए खतरनाक है क्योंकि ये ग्रीनहाउस गैस है जो वातावरण में मौजूद गर्मी को रोककर रखती है फिर इससे ही पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Pfizer के सीईओ ने कहा, भारत में COVID-19 वैक्सीन के लिए मंजूरी अंतिम चरण में

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिकी कंपनी फाइजर की कोरोना वैक्सीन के लिए भारत में मंजूरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अल्बर्ट बोर्ला ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी **ANI** ने अल्बर्ट के हवाले से कहा, भारत में इस्तेमाल होने वाली कोविड-19 वैक्सीन के लिए मंजूरी हासिल करने की उनकी कंपनी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मैं उम्मीद करता हूं कि बहुत जल्द ही सरकार के साथ करार को अंतिम रूप दे देंगे। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया की ओर से वैक्सीन के आयात को गति देने लेकर भारत में विशिष्ट परीक्षण की जरूरत को खत म किए जाने के कुछ सप्ताह बाद यह जानकारी आई है। **DCGI** के प्रमुख वीजी सोमानी ने कहा कि देश में कोरोना के मामलों में आए उछाल और टीकाकरण के लिए वैक्सीनेशन की बड़ी जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है।

भारत में 5जी नेटवर्क आने के बाद पेश करेंगे एमआई 11 लाइट 5जी मॉडलः शाओमी

नयी दिल्ली, चीन की मोबाइल कंपनी शाओमी ने मंगलवार को कहा कि देश में 5जी नेटवर्क के चालू होने के बाद वह अपने सबसे हल्के और सबसे पतले स्मार्टफोन एम11 लाइट का 5जी संस्करण पेश करेगी। हालांकि, कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने जोड़ा कि यदि इन हैंडसेट की पर्याप्त मांग दिखाई देती है तो इनकी पेशकश पहले भी की जा सकती है। कंपनी ने एमआई 11 लाइट के दो 4जी मॉडल का अनावरण किया, जिनमें से प्रत्येक का वजन 157 ग्राम और कीमत 21,999 रुपये और 23,999 रुपये है। ये मोबाइल फोन 25 जून से एमआई वेबसाइट, फ्लिपकार्ट और अधिकृत खुदरा स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। शाओमी इंडिया के प्रबंध निदेशक मनु जैन ने इस मौके पर कहा, ''जब 5जी नेटवर्क शुरू होगा या हमें भारत में 5जी संस्करण की पर्याप्त मांग मिलेगी, तो हमें 5जी संस्करण लाने में बहुत खुशी होगी।'' उन्होंने दावा किया कि पिछली तिमाही में लगभग 30 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शाओमी पिछले चार वर्षों से शीर्ष स्मार्टफोन ब्रांड है।

रुपये में दूसरे दिन भी गिरावट, 27 पैसे की हानि दर्शाता 74.37 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई, प्रमुख विदेशी मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती के बीच अमेरिकी मुद्रा के समक्ष रुपये की विनिमय दर में लगातार दूसरे दिन गिरावट देखी गई। अन्तरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ प्रति डालर 74.37 पर बंद हुआ। बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये की दर 74.18 पर कमजोर खुली तथा दिन में गिरावट और बढ़ गयी। अंत में रुपया 74.37 पर बंद। यह पिछले बंद के मुकाबले रुपये में 27 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को प्रति डालर 74.10 पर बंद हुआ था। दिन में डालर 74.05-74.40 रुपये के बीच घूमा रहा। दो दिन में डालर के मुकाबले रुपया 51 पैसे हल्का हो चुका है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत बढ़कर 92.09 हो गया।वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.72 प्रतिशत घटकर 74.36 डॉलर प्रति बैरल रह गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकख् पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने सोमवार को सकल आधार पर 1,244.71 करोड़ रुपये के शेयरों की कटान की।

आवास कीमत सूचकांक सालाना आधार पर 2021 की चौथी तिमाही में 2.7% बढ़ा: आरबीआई

मुंबई:

अखिल भारतीय आवास कीमत सूचकांक (एचपीआई) वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में सालाना आधार 2.7 प्रतिशत बढ़ा। रिजर्व बैंक के 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही आंकड़े से यह पता चला। भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 बड़े शहरों में आवास पंजीकरण प्राधिकरणों से प्राप्त आंकड़े के आधार पर तिमाही आवास कीमत सूचकांक जारी किया। जिसमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, जयपुर, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई जैसे शहर शामिल हैं। आरबीआई ने कहा, ''प्रमुख शहरों में एचपीआई वृद्धि ने बड़े पैमाने पर भिन्नता दर्ज की गई। सालाना आधार पर अखिल भारतीय एचपीआई 2020-21 की चौथी तिमाही में 2.7 प्रतिशत बढ़ा। एक साल पहले इसी तिमाही में इसमें 3.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। शहरों के अनुसार देखा जाए तो जहां बेंगलुरू में एचपीआई में सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं जयपुर में 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई।केंद्रीय बैंक के अनुसार तिमाही के आधार पर अखिल भारतीय एचपीआई वर्ष 2021 की मार्च तिमाही में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिल्ली, बेंगलुरु,

कोलकाता और जयपुर में एचपीआई में गिरावट दर्ज की गई जबकि शेष छह शहरों में इसमें वृद्धि देखी गई।

सोने के भाव में तेजी, चांदी में दिखी मामूली गिरावट

नई दिल्ली । भारतीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को 2021 को सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। वहीं, चांदी की कीमत में मंगलवार को मामूली गिरावट आई है। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 46,168 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी 66,475 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड के दाम में मंगलवार को मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी की कीमतों में खास बदलाव नहीं हुआ। मंगलवार को आए उछाल के बाद भी मौजूदा समय में सोना अपने शीर्षस्तर से 10,500 रुपये से ज्यादा नीचे चल रहा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में 45 रुपये प्रति 10 ग्राम की मामूली तेजी दर्ज की गई। राजधानी दिल्ली में 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का नया भाव अब 46,213 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत मंगलवार को मामूली तौर पर गिरकर 1,778 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में 7 अगस्त 2020 को गोल्ड की कीमत 57,008 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर बंद हुई थी। इस आधार पर सोना इस समय अपने सर्वोच्च से 10,795 रुपये नीचे चल रहा है। चांदी की कीमत में मंगलवार को गिरावट का रुख रहा। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी के दाम महज 86 रुपये गिरने के बाद 66,389 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई।

सरकार ई-कॉमर्स कंपनियों से फ्लैश सेल की जानकारी नहीं लेगी, उपभोक्ताओं की शिकायत पर करेगी कार्रवाई

नयी दिल्ली,

केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री में धोखाधड़ी को रोकने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों से फ्लैश सेल की जानकारी नहीं लेगी और उपभोक्ता शिकायतों के आधार पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करेगी। सरकार ने कहा कि उपभोक्ताओं को अधिकतम लाभ देने वाली छूट आधारित बिक्री जारी रहेगी, लेकिन ई-कॉमर्स मंच पर फर्जी फ्लैश सेल नहीं होगी। फ्लैश सेल से आशय भारी छूट के जरिये ग्राहकों को आकर्षित करना है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियों को नियमों के मसौदे के बारे में चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 में प्रस्तावित प्रमुख संशोधनों में फर्जी फ्लैश सेल, भ्रामक बिक्री पर प्रतिबंध और मुख्य अनुपालन अधिकारी/ शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति शामिल है, जिस पर सरकार ने छह जुलाई तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव निधि खरे ने कहा, ''हम फ्लैश बिक्री के बारे में जानकारी मांगने नहीं जा रहे हैं। हम बिक्री के साथ हैं, जिससे अधिकतम उपभोक्ताओं को फायदा होता है। अगर कोई शिकायत करना चाहता है, तो कम से कम एक व्यवस्था होनी चाहिए।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंत्रालय ई-कॉमर्स मंच पर व्यापार को ''विनियमित नहीं करेगा'' और ई-कॉमर्स कंपनियों को नियमों में प्रस्तावित बदलावों को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण की इन्फोसिस के अधिकारियों के साथ बैठक, आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल की खामियों पर बातचीत

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को इन्फोसिस के अधिकारियों के साथ नये आयकर ई- फाइलिंग पोर्टल में आ रही तकनीकी दिक्कतों को लेकर समीक्षा बैठक की। सीतारमण के साथ वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर, राजस्व सचिव तरुण बजाज, सीबीडीटी चेयरमैन जगन्नाथ माहपात्र और वित्त मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में मौजूद थे। इस दौरान इन्फोसिस के अधिकारियों के साथ नये आयकर ई- पोर्टल में आ रही दिक्कतों को लेकर बिंदुवार विचार विमर्श किया गया। आयकर विभाग का नया ई- पोर्टल इन्फोसिस ने तैयार किया है। बैठक को लेकर हालांकि, आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) ने कहा है कि ''तकनीकी खामियों को जल्द दूर कर लिया जायेगा।'' आईसीएआई के प्रतिनिधि भी इस बैठक में उपस्थित थे। आयकर विभाग का यह नया पोर्टल सात जून को शुरू किया गया लेकिन उसी दिन से इसमें कई तरह की खामियां सामने आई हैं। इसमें लॉगइन का समय अधिक लग रहा है, आधार सत्यापन के लिये ओटीपी जारी करने में समस्या खड़ी हो रही है और पिछले सालों के आयकर रिटर्न भी इसमें उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। पोर्टल का इस्तेमाल करने वाले कई लोगों ने इस संबंध में लिखित में जानकारी दी है और साथ में सुझाव भी दिये हैं। आईसीएआई ने बैठक के बाद जारी एक

वक्तव्य में कहा है कि उसे सीबीडीटी और इन्फोसिस इस संबंध में मुद्दों के त्वरित समाधान के लिये जरूरी जानकारी और समर्थन देते रहने को कहा गया है। आयकर विभाग के अनुसार नया पोर्टल करदाताओं के अनुकूल और अनुपालन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। आयकर विभाग का नया ई- फाइलिंग पोर्टल **www.incometa&.gov.in** सात जून को पेश किया गया था। इस कर पोर्टल को आम आयकरदाता भी अपनी सालाना रिटर्न दाखिल करने के लिये इस्तेमाल कर सकता है। इसमें 2020- 21 के वित्त वर्ष में अर्जित आय के लिये आकलन वर्ष 2021- 22 में रिटर्न दाखिल की जा सकती है। व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिये रिटर्न भरने की आखिरी तिथि 30 सितंबर है। इससे पहले इन्फोसिस की वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि मुद्दों का समाधान करने पर काम कर रहे हैं और कुछ मामलों में उन्हें सफलता मिली है।

महामारी के दौरान केंद्र- राज्यों की भागीदारी के जरिये सुधारों को आगे बढ़ाया गया : मोदी

नयी दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबरने के लिए सरकार ने अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरतों के हिसाब से आर्थिक उपाय तय किए। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रोत्साहन के मामले में 'सभी के लिए एक जैसा' पैमाना नहीं अपनाया जा सकता। मोदी ने कहा कि केंद्र-राज्य भागीदारी में पूरे विश्वास के साथ और प्रोत्साहन के जरिये हमने इन सुधारों को आगे बढ़ाया है। सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर पोस्ट में मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनियाभर में वित्तीय संकट के बीच भारत के राज्य 2020-21 में उल्लेखनीय रूप से अधिक ऋण जुटाने में सफल हो सके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 2020-21 में राज्यों ने 1.06 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज जुटाया। केंद्र-राज्य भागीदारी के जरिये इतना अतिरिक्त संसाधन जुटाना संभव हो सका। '' मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी पूरी दुनिया की सरकारों के समक्ष नीति-निर्माण की दृष्टि से चुनौतियों के रूप में आई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत कोई अपवाद नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन कल्याण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाने के साथ (वित्तीय) स्थिरता को सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हमने कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबरने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन तैयार किए, तो यह सुनिश्चित किया कि सभी क्षेत्रों को एक ही तराजू पर न तौला जाए। उन्होंने कहा कि एक संघीय व्यवस्था वले देश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे नीतिगत उपाय करना जिसके जरिये राज्य सरकारों सुधारों को आगे बढ़ा सकें, काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने लिंकडइन पर 'विश्वास ओर प्रोत्साहन' शीर्षक के तहत कहा, ''हमें अपनी संघीय नीति की मजबूती पर भरोसा था और हम केंद्र-राज्य भागीदारी की भावना के साथ आगे बढ़े। '' मोदी ने इस बात का जिक्र किया कि मई, 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत केंद्र ने घोषणा की कि राज्य सरकारों को 2020-21 में अतिरिक्त कर्ज लेने की अनुमति दी जाएगी। मोदी ने कहा कि राज्यों को राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के दो प्रतिशत के बराबर अतिरिक्त कर्ज की अनुमति दी गई। इनमें से एक प्रतिशत की अनुमति कुछ आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन की शर्त पर थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सार्वजनिक वित्त में सुधारों के लिए इस तरह 'धक्का देकर आगे बढ़ाना' विरला ही है, लेकिन इसी वजह से राज्य प्रगतिशील नीतियां अपनाकर अतिरिक्त कोष जुटा पाए।' प्रधानमंत्री ने 'कोविड-19 के समय नवोन्मेषी नीति निर्माण' पर लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि यह पूरी प्रक्रिया न सिर्फ उत्साहवर्धक रही, बल्कि यह इस धारणा को भी गलत साबित किया कि ठोस आर्थिक नीतियों को अपनाने वाले कम लोग मिलते हैं।'' जिन चार सुधारों से ये अतिरिक्त कर्ज जीडीपी के 0.25 प्रतिशत के बराबर-बराबर जुड़ा था उनमें दो खूबियां थीं। ये सुधार जनता विशेषरूप से गरीब और कमजोर वर्ग के लिए जीवन को सुगम करने से संबंधित थे। साथ ही ये वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने वाले थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'एक देश एक राशन कार्ड' नीति के तहत राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना था कि राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत सभी राशन कार्ड परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर से जुड़े हों ओर सभी उचित दर दुकानों के पास इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल उपकरण हो। उन्होंने कहा कि 17 राज्यों ने इन सुधारों को पूरा किया और उन्हें 37,600 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर्ज की अनुमति मिली। उन्होंने कहा कि दूसरा सुधार कारोबार सुगमता से संबंधित था। इसके तहत राज्यों को सात कानूनों के तहत कारोबार से संबंधित लाइसेंस के नवीकरण को स्वचालित, ऑनलाइन करना था। एक अन्य जरूरत कंप्यूटरीकृत निरीक्षण प्रणाली थी। उन्होंने कहा कि 20 राज्यों ने इन सुधारों को पूरा किया ओर उन्हें 39,521 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज लेने की अनुमति मिली। मोदी ने कहा कि तीसरा सुधार राज्यों द्वारा संपत्ति कर तथा पानी और सीवरेज शुल्क की दरों को अधिसूचित करने से संबंधित था। इन सुधारों को पूरा करने वाले 11 राज्यों को 15,957 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज लेने की अनुमति दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि चौथा सुधार किसानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति के बदले प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) को शुरू करना था। इसके तहत राज्यस्तर की योजना बनाई जानी थी। इसमें साल के अंत तक एक जिले में पायलट आधार पर इसका वास्तविक क्रियान्वयन होना था।

सेंसेक्स स्थिर बंद

मुनाफवसूली से 53,000 अंक से नीचे आया

मुंबई,

बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को मामूली 14 अंक बढ़त के साथ स्थिर बंद हुआ। मानक सूचकांक एक समय 53,000 अंक के ऊपर चला गया था लेकिन उच्च स्तर पर निवेशकों की मुनाफावसूली से बड़ी तेजी बरकरार नहीं रह पायी। कारोबारियों के अनुसार रुपये की विनिमय दर में गिरावट से भी धारणा पर असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 53,057.11 अंक के अबतक के उच्चतम स्तर तक चला गया था। लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नीचे आया और अंत में 14.25 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 52,588.71 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 26.25 अंक यानी 0.17 अंक की हल्की तेजी के साथ 15,772.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरो में सर्वाधिक 5.25 प्रतिशत से अधिक की तेजी मारुति के शेयर में रही। सोमवार को इसमें सर्वाधक गिरावट आयी थी। इसके अलावा एल एंड टी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएएस, टाइटन, टाटा स्टील और बजाज ऑटो भी 2.20 प्रतिशत तक की अच्छी बढ़त में रहे। दूसरी तरफ एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, एचयूएल, इंडसइंड बैंक और सन फार्मा समेत अन्य शेयर 1.91 प्रतिशत तक नुकसान में रहे। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा कि सकारात्मक वैश्विक रुख और टीकाकरण में तेजी के साथ बाजार मजबूती के साथ खुला। मंगलवार को जिन शेयरों में तेज गतिविधियां देखी गयी, वे 'लॉकडाउन' में ढील के बाद बाजार खोले जाने से संबंधित थे।' उन्होंने कहा कि बाजार 53,000 अंक के ऊपर निकल गया था लेकिन दोपहर कारोबार में चौतरफा मुनाफावसूली की गयी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''शुरूआती कारोबार में घरेलू बाजार में अच्छी तेजी रही। इसका कारण पश्चिमी बाजारों में मजबूती थी, जहां मुख्य रूप से ध्यान अब फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति में बदलाव को लेकर चिंता के बजाए आर्थिक पुनरूद्धार पर गया है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि मुख्य सूचकांकों के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने के बाद...मुनाफावसूली की गयी।

मानव निर्मित रेशे के कपड़ा बाजार में स्थान बनाने को विस्कोज फाइबर की घरेलू आपूर्ति बढ़ेः एईपीसी

नयी दिल्ली,

अपैरल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल (एईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि भारत को मानव निर्मित रेशे (एमएमएफ) आधारित कपड़ों में अपनी हिस्सेदारी में वृद्धि के लिए सही कीमत पर गुणवत्तापूर्ण विस्कोज फाइबर की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने की जरूरत है।संगठन के चेयरमैन ए सक्तिवेल ने कहा कि सरकार एमएमएफ वर्ग के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भी पेश कर रही है जिससे घरेलू विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विस्कोज फाइबर जुटाने के विषय पर आयोजित एक वेबिनार में कहा, ÷हमें मानव निर्मित रेशे (एमएमएफ) आधारित कपड़ों में अपनी हिस्सेदारी में वृद्धि के लिए सही कीमत पर गुणवत्तापूर्ण विस्कोज फाइबर की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने की जरूरत है। ईपीसी की कार्यकारी समिति के सदस्य पी एम एस उप्पल ने कहा कि वर्तमान समय में उपभोक्ता अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), डिजाइन, नवोन्मेष, गति और कीमत सहित एक पूरे पैकेज पर ध्यान देता है। उन्होंने कहा, हमें उन्हें एक पूरा पैकेज प्रदान करने की जरूरत है। ग्राहक 50 दिनों में ऑर्डर देने से लेकर सामान पहुंचाने तक की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद कर रहा है। एईपीसी की व्यापार संवर्धन उप समिति के चैयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा कि सीमित संख्या में उत्पादक विस्कोज का निर्माण करते हैं और 10 उत्पादक पूरी दुनिया के उत्पादन के 80 प्रतिशत हिस्से का निर्माण करते हैं।

भारत का कच्चा तेल उत्पादन मई में 6.3 प्रतिशत घटा, गैस उत्पादन में उछाल

नयी दिल्ली,

देश के कच्चा तेल उत्पादन में मई में 6.3 प्रतिशत कमी आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी का उत्पादन चक्रवात 'तउकते' की वजह से माह के दौरान करीब दस प्रतिशत कम रहा है। सरकारी आंकड़ों में मंगलवार को यह जानकारी सामने आई है।कच्चे तेल का उत्पादन मई 2021 में 24.30 लाख टन रहा है जो कि इससे पिछले साल मई में हुये 26 लाख टन उत्पादन के मुकाबले 6.32 प्रतिशत कम रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में यह कहा गया है।सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन (ओएनजीसी) के कच्चे तेल उत्पादन में मई के दौरान 9.63 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह 15 लाख टन रहा। चक्रवात तौकते से बनी कठिन परिस्थितियों के कारण उत्पादन में कमी आई है। ओएनजीसी के तेल एवं गैस उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र पश्चिमी अपतटीय इलाकों में ही स्थित है जहां पिछले महीने चक्रवाती तूफान के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुईं।

वहीं देश का गैस उत्पादन मई के दौरान 19 प्रतिशत बढ़कर 2.74 अरब घनमीटर तक पहुंच गया। देश के पूर्वी अपतटीय क्षेत्र में केजी डी6ब्लॉक से गैस उत्पादन बढ़ने से यह वृद्धि हासिल की गई है। इस ब्लॉक से रिलायंस- बीपी ने नई खोजों के जरिये गैस उत्पादन शुरू किया है।

बहरहाल, लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील दिये जाने के साथ ही मांग बढ़ने से रिफाइनरियों में कच्चे तेल शोधन में 16 प्रतिशत वृद्धि हुई और यह 1.90 करोड़ टन तक पहुंच गया। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों ने जहां स्थापित क्षमता के 91 प्रतिशत पर काम किया वहीं रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने क्षमता के मुकाबले 83.7 प्रतिशत पर काम किया।

भारत नए क्षेत्रों को कर रहा गेहूं, चावल का निर्यातः वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली:

भारत ने कृषि निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से प्यूर्टो रिको, यमन और पोलैंड सहित नए गंतव्यों के लिए चावल और गेहूं जैसे अनाज का निर्यात शुरू किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत ने नौ देशों को गैर-बासमती चावल की खेप भेजी, जिनमें तिमोर-लेस्ते, प्यूर्टो रिको, पापुआ न्यू गिनी, जिम्बाब्वे, बुरुंडी, एस्वातिनी और निकारागुआ शामिल हैं। इन स्थानों पर पहली बार निर्यात किया गया था या फिर पहले निर्यात की खेप कम मात्रा की और छोटी थी। वर्ष 2019-20 में इन नौ देशों को चावल निर्यात की कुल मात्रा 197 टन थी और वर्ष 2020-21 में यह बढ़कर 1.53 लाख टन हो गई है। इसी तरह, भारत ने वर्ष 2020-21 के दौरान सात नए देशों यमन, इंडोनेशिया, भूटान, फिलीपीन, ईरान, कंबोडिया और म्यांमार को पर्याप्त मात्रा में अनाज का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, ''इन सात देशों को वर्ष 2018-19 में गेहूं का निर्यात नहीं हुआ और वर्ष 2019-20 में केवल चार टन अनाज का निर्यात किया गया। इन देशों को गेहूं के निर्यात की मात्रा वर्ष 2020-21 में बढ़कर 1.48 लाख टन हो गई।'' चावल और गेहूं को छोड़कर, अन्य अनाज के निर्यात के मामले में, भारत ने वर्ष 2020-21 में बाकी अनाज सूडान, पोलैंड, बोलीविया, कोलंबिया, कांगो और घाना जैसे नए गंतव्यों को भेजे। मंत्रालय ने कहा, भारत के अनाज के कुल निर्यात में वर्ष 2020-21 में भारी वृद्धि हुई है जहां गैर-बासमती चावल का निर्यात 136.04

प्रतिशत बढ़कर 479.454 करोड़ डॉलर का रहा जबकि गेहूं 774.17 प्रतिशत बढ़कर 54.916 करोड़ डॉलर पहुंच गय। अन्य अनाज (बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज) 238.28 प्रतिशत बढ़कर 69.414 करोड़ डॉलर का रहा।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूटीसी फाइनल ड्रॉ रहने पर विजेता चुनने के लिए फॉर्मूला बनाना चाहिए : गावस्कर

साउथम्पटन। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का कहना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां जारी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला अगर ड्रॉ पर समाप्त होता है तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को विजेता चुनने के लिए कोई फॉर्मूला बनाना चाहिए। दोनों टीमों के बीच फाइनल मुकाबले का पहला और चौथा टेस्ट बारिश की भेंट चढ़ा था और बिना एक भी गेंद डाले मुकाबला खत्म करना पड़ा। भारत ने पहली पारी में 217 रन बनाए जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने अबतक दो विकेट पर 101 रन बनाए हैं। आईसीसी पहले ही इस बात की घोषणा कर चुका है कि मुकाबला ड्रॉ या रद्द रहने पर ट्रॉफी दोनों टीमों के बीच शेयर की जाएगी। गावस्कर ने एक न्यूज चैनल से कहा, डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहन पर विजेता चुनने के लिए फॉर्मुला बनाया जाना चाहिए। आईसीसी क्रिकेट समिति को इस बारे में विचार कर निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा है कि फाइनल मुकाबला ड्रॉ पर खत्म होगा और ट्रॉफी शेयर की जाएगी। ऐसा पहली बार होगा जब फाइनल में ट्रॉफी को शेयर किया जाएगा। दो दिन में तीन पारियों का होना मुश्किल है। हां, अगर दोनों टीमें बल्लेबाजी में बेहद खराब प्रदर्शन करती है तो तीन पारियां हो सकती हैं।

क्रिकेटर्स की तरह ओलंपिक खिलाड़ियों की भी हौसला अफजाई करें: किरेन रीजीजू

नई दिल्ली ।

ठीक एक महीने बाद शुरू होने जा रहे तोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए खेलमंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि देश में ओलंपियनों को क्रिकेटरों की तरह लोकप्रिय बनाने के प्रयास किये जाने चाहिए। तोक्यो ओलंपिक में पदक उम्मीद के बारे में पूछने पर खेलमंत्री ने कहा कि वह कोई कयास नहीं लगाना चाहते लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। उन्होंने 23 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों से एक महीना पूर्व कहा कि क्रिकेट और पांच दशक पहले हॉकी को छोड़कर भारत किसी खेल में महाशक्ति नहीं रहा। हमारा इतना बड़ा देश है और यहां प्रतिभाओं की कमी नहीं है लेकिन ओलंपिक में अधिक पदक नहीं मिलते। मैं तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों से संतुष्ट हूं और खिलाड़ियों को तैयारी के सर्वश्रेष्ठ अवसर दिए गए है। चार साल में सालाना अभ्यास और प्रतिस्पर्धा कैलेंडर (एसीटीसी) के तहत 1100 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। हम पूरी तैयारी के साथ बड़ा दल भेज रहे हैं और उम्मीद है कि प्रदर्शन भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ होगा। रीजीजू ने कहा कि खिलाड़ियों ने विदेश में, बेंगलुरू, पुणे, हैदराबाद साइ केंद्रों पर और एनआईएस पटियाला में सारी सुविधाओं के साथ अभ्यास किया है। हमें उनसे काफी अपेक्षाएं हैं। तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड से मिली 10 करोड़ रूपए की मदद के बारे में पूछने पर खेलमंत्री ने कहा कि हर भारतीय को और हर संगठन को ओलंपिक अभियान में मदद करनी चाहिए। बीसीसीआई काफी सक्षम ईकाई है और वे मदद करना चाहते थे। वे यह रकम भारतीय ओलंपिक संघ को देंगे और वही देखेगा कि इसका कैसे इस्तेमाल करना है। तोक्यो ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों के टीकाकरण के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि करीब 99 प्रतिशत खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ को टीके का पहला डोज लग चुका है। दूसरा डोज लगने की प्रक्रिया जारी है। उन्हें कोरोना योद्धाओं की तरह प्राथमिकता के आधार पर टीके लग रहे हैं। विदेश में तैयारी में जुटे खिलाड़ियों को दूतावासों के जरिए टीके लगवाए जा रहे हैं। तोक्यो में किसी भारतीय के कोरोना संक्रमण का शिकार होने पर क्या व्यवस्था रहेगी, यह पूछने पर खेलमंत्री ने कहा कि तोक्यो में बंदोबस्त मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है लेकिन हमने जापान स्थित अपने दूतावास में ओलंपिक प्रकोष्ठ बनाया है जो खिलाड़ियों को पूरा बैकअप सहयोग देगा ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा नहीं हो। भारतीय दल के आधिकारिक विदाई समारोह के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बीच यह समारोह वर्चुअल ही होगा और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसमें शामिल होने का अनुरोध करूंगा। यह 17 या 18 जुलाई को भारतीय दल के रवाना होने से पहले होगा। इस पर काम चल रहा है। रीजीजू ने यह भी कहा कि कोरोना महामारी के कारण भारत के प्रशंसक तोक्यो नहीं सकते और स्टेडियम में दर्शक भी नहीं के बराबर होंगे लेकिन हम 'चीयर फोर इंडिया' मुहिम से अपने दल का हौसला बढाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर दुख होता है कि हमारे देश में क्रिकेटरों को सभी जानते हैं लेकिन ओलंपियनों को नहीं जबकि यह दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है।

राफेल नडाल के जन्मदिन पर स्पेन मनाएगा नैशनल टेनिस डे

नई दिल्ली ।

स्पेन सरकार ने अपने दिग्गज टेनिस प्लेयर राफेल नडाल के लिए जन्मदिन का विशेष तोहफा तैयार किया है। सरकार नडाल के जन्मदिन को स्पेन में नैशनल टेनिस डे के तौर पर मनाएगा। रॉयल स्पैनिश टेनिस फैडरेशन के बोर्ड अधिकारियों ने इसकी पुष्टि कर दी है। फैडरेशन के प्रेसिडेंट मिगुल डियाज ने कहा कि मैं नडाल के खेल के बारे में यूरोस्पोर्ट की टिप्पणियों को सुन रहा था और मैं तुरंत समझ गया कि यह विचार शानदार था। स्पेनिश टेनिस में जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ है। हमारे पास अब तक के सबसे उत्कृष्ट टेनिस खिलाड़ी हैं। हम मौजूदा डेविस कप चैंपियन हैं और हम बिली जीन किंग कप के फाइनल में हैं। मुझे लगता है, जैसा कि मैं कहता हूं, हमारे पास जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ है। बताया जा रहा है कि स्पेन सरकार आगामी तीन जून 2022 से नैशनल टेनिस डे मनाएगी। नडाल ने बीते दिनों ही विबंलडन और टोक्यो ओलिम्पिक में हिस्सा न लेने की बात की थी। नडाल ने सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट में लिखा था कि हैलो सबको। मैंने इस साल विंबलडन चैंपियनशिप और टोक्यो में ओलंपिक खेलों में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। यह कभी भी आसान निर्णय नहीं होता है, लेकिन मेरे शरीर को सुनने और अपनी टीम के साथ इस पर चर्चा करने के बाद मैं समझता हूं कि यह सही निर्णय है।

अनिर्बान लाहिड़ी ने किया टोक्यो ओलिम्पिक के लिए क्वालिफाई

नई दिल्ली । अनुभवी गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने मंगलवार को जारी पुरुषों की 'टोक्यो ओलिम्पिक खेल रैंकिंग' में भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल करके लगातार दूसरी बार इस खेल महाकुंभ के लिए क्वालीफाई किया। इस भारतीय ने 60वें स्थान पर रहकर ओलिम्पिक में जगह बनाई। संयोग से यह खेलों की रैंकिंग में कोटा हासिल करने का आखिरी स्थान भी था। भारत एक स्थान का हकदार था तथा लाहिड़ी ताजा विश्व गोल्फ रैंकिंग में 340वें स्थान पर रहते हुए भारतीयों में शीर्ष पर थे। लाहिड़ी ने ट्वीट किया- अभी कुछ समय पहले बहुत अच्छी खबर मिली। टोक्यो ओलिम्पिक में जगह। विश्वास नहीं कर सकता कि मुझे एक बार फिर से तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।अदिति अशोक भी महिलाओं के वर्ग में क्वालीफाई करने की दौड़ में है। उनकी क्वालिफिकेशन की पुष्टि 29 जून को महिलाओं की ओलिम्पिक रैंकिंग जारी होने के बाद होगी। अदिति ने रियो ओलिम्पिक में भी हिस्सा लिया था।

चार भारतीय खिलाड़ी एशियाई रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में पेश करेंगे चुनौती

चेन्नई ।

विदित गुजराती और डी गुकेश सहित चार भारतीय खिलाड़ी 26 जून से चार जुलाई तक खेले जाने वाले एशियाई रैपिड ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट में 16 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिसमें विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नार्वे के मैगनस कार्लसन के अलावा नीदरलैंड्स के अनिश गिरी, अमेरिका के वेस्ले सो, अर्मेनिया के लेवोन अरोनियान और चीन के डिंग लिरेन भी शामिल है।यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक मेल्टवाटर चैम्पियनशिप शतरंत टूर का हिस्सा इस टूर्नामेंट में गुजराती और गुकेश के अलावा भारतीय ग्रैंडमास्टर बी अधिबान और अर्जुन इरिगैसी भी भाग ले रहे हैं। ग्रैंडमास्टर गुजराती को वाइल्ड कार्ड मिला है जबकि दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने गेलफैंड चैलेंज के माध्यम से क्वालीफाई किया । अधिबान और इरिगैसी को भारतीय क्वालीफायर के रूप में प्रवेश मिला।टूर्नामेंट में सभी की निगाहें लय में चल रहे 15 वर्षीय गुकेश पर होंगी, जिन्होंने हाल ही में गेलफैंड चैलेंज टूर्नामेंट जीता है। सत्रह वर्षीय इरिगैसी शीर्ष स्तर पर सफलता हासिल करने की उम्मीद कर रहे होंगे और 'द बीस्ट' के नाम से जाने जाने वाले अधिबान भी एलीट खिलाड़ियों के बीच पहचान बनाने के लिए उत्सुक होंगे। चीन के होउ यिफान इस टूर पर भाग लेने वाली पहली महिला खिलाड़ी होंगी। वह

महिलाओं में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी है। एशियन रैपिड प्रतियोगिता में 100,000 डालर (लगभग 73 लाख रूपये) का इनाम होगा और यह मैग्नस ग्रुप द्वारा आयोजित ऑनलाइन शतरंज के प्रतिष्ठित एटीपी-शैली सत्र का सातवां चरण है। सभी मुकाबलों को 'चेस24 डॉट कॉम' पर खेला जाएगा। इस प्रारूप में सभी चाल के लिए प्रति खिलाड़ी 15 मिनट का समय मिलेगा और उसके बाद हर चाल के लिए 10 सेकेंड की बढोतरी होगी।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ब्लिट्ज़ शतरंज - अलीरेजा फिरौजा के नाम रहा दिन

पेरिस , फ्रांस (निकलेश जैन) पेरिस रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज मे रैपिड के बाद सबकी नजरे शतरंज के फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ के मुक़ाबले पर थी और प्रति खिलाड़ी 5 मिनट के ब्लिट्ज़ मे पहले दिन फीडे के 17 वर्षीय युवा खिलाड़ी अलीरेजा फिरौजा नें सभी को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक 6.5 अंक बनाए । ऑन द बोर्ड हो रहे इस टूर्नामेंट में कुल 9 राउंड मे अलीरेजा नें 6 जीत 2 हार और 1 ड्रॉ के परिणाम हासिल किए । ब्लिट्ज़ शतरंज मे रूस के इयान नेपोनियची 6 अंक बनाकर दूसरे तो रैपिड के विजेता यूएसए के वेसली सो 5.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । हालांकि रैपिड और ब्लिट्ज़ के सयुंक्त खिताब मे वेसली अभी भी 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर है जबकि उनके ठीक पीछे 17 अंको के साथ नेपोनियची है । अन्य खिलाड़ियों मे रूस के पीटर स्वीडलर 14 अंक , फ्रांस के मकसीम लागरेव और अलीरेजा 13.5 अंक ,यूएसए के लेवोन आरोनियन और फ्रांस के ऐटेने बकरोट और रूस के क्रामनिक 12.5 अंक ,हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 12 अंक , उस के फबियानों करूआना 11.5 अंक और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव 11 अंको पर खेल रहे । अंतिम दिन ब्लिट्ज़ के 9 और मुक़ाबले खेले जाएँगे ।

कोरोना का हवाला देकर ओलंपिक से हटे शापोवालोव

टोक्यो। विश्व के 14वें नंबर के टेनिस खिलाड़ी कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने कोरोना वायरस की वजह से सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक से हटने का फैसला किया है। 22 वर्षीय शापोवालोव ने ट्वीट कर कहा, मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं इस साल ओलंपिक में भाग नहीं लूंगा। कनाडा का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए मेरी टीम और मैंने यही फैसला किया है कि सभी की सुरक्षा के लिए यह सही फैसला होगा। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, मैं भविष्य में ओलंपिक खेलों में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। शापोवालोव ने इस बात के संकेत दिए कि उनका लक्ष्य 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। पिछले सप्ताह शापोवालोव को क्रिंस क्लब चैंपियनशिप में ग्रेट ब्रिटेन के कैमरून नूरी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। शापोवालोव ने इस महीने अपने कंधे को आराम देने के लिए फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया था। इससे पहले, स्पेन के राफेल नडाल ने भी ओलंपिक से हटने का फैसला किया था। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन अगले महीने 23 तारीख से आठ अगस्त तक होना है।

ओलिम्पिक में भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान होंगे मनप्रीत, लाकड़ा और हरमनप्रीत उपकप्तान

नई दिल्ली ।

मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टोक्यो ओलिम्पिक में भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान होंगे जबकि अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा और हरमनप्रीत सिंह उपकप्तान बनाए गए हैं। भारत ने पिछले सप्ताह 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया था लेकिन कप्तान के नाम की घोषणा नहीं की थी। मनप्रीत ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी बयान में कहा कि मुझे खुशी है कि ओलिम्पिक में तीसरी बार भारत के लिए खेलने का मौका मिल रहा है और इस बार कप्तान के तौर पर। मेरे लिए यह गर्व की बात है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल में हमने मजबूत नेतृत्व तैयार किया है और महामारी की चुनौतियों का मजबूती से सामना किया है। हमने फॉर्म और फिटनेस कायम रखते हुए ओलिम्पिक को ध्यान में रखकर तैयारी की है। मनप्रीत की कप्तानी में भारत ने एशिया कप 2017, एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 और एफ.आई.एच. सीरिज फाइनल 2019 जीते हैं। भारतीय टीम भुवनेश्वर में 2018 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची।मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि ये तीनों खिलाड़ी टीम के नेतृत्व दल का अभिन्न अंक हैं। इन्होंने कठिन समय में युवाओं का मनोबल बनाए रखने में काफी परिपक्वता दिखाई। उन्होंने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट में दो उपकप्तान बनाने से हमारे नेतृत्व

दल को मजबूती मिलेगी। बीरेंद्र लंदन ओलंपिक 2012 खेल चुका है लेकिन चोट के कारण रियो ओलिम्पिक नहीं खेल पाया था। वापसी के बाद से उसका प्रदर्शन बेहतर ही होता गया है। हरमनप्रीत ने 2019 में मनप्रीत की गैर-मौजूदगी में टोक्यो में ओलिम्पिक टेस्ट टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी की थी। भारतीय टीम टोक्यो ओलिम्पिक के पहले मैच में 24 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलेगी।

ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूकी महिला तीरंदाजी टीम, पूर्व चैंपियन डोला बनर्जी ने बताई वजह

कोलकाता । महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम के पहली बार ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूकने को अनुभव की कमी बताते हुए पूर्व विश्व कप चैंपियन डोला बनर्जी ने कहा कि भारतीय तिकड़ी में दिग्गज दीपिका कुमारी के साथ एक और अनुभवी नाम होना चाहिए था। भारतीय महिला टीम ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में तीरंदाजी के पदार्पण के बाद पहली बार इन वैश्विक खेलों का टिकट हासिल करने से चूक गई। दीपिका, अंकिता भकत और कोमलिका बारी की तिकड़ी रविवार को पेरिस में आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के अपने शुरुआती दौर में कोलंबिया से हारने के बाद ओलंपिक की दौड़ से बाहर हो गई। डोला ने कहा, 'यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा है। भारतीय महिला टीम ओलंपिक में पदक की दावेदारों में शामिल थी लेकिन क्वालीफाई भी नहीं कर सकी।' भारतीय टीम ने इससे पहले शानदार शुरूआत की थी जिसमें दीपिका ने 674 का शीर्ष व्यक्तिगत स्कोर किया था। इससे टीम ने क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहते हुए एलीमिनेशन दौर में सीधे प्रवेश किया था। एलीमिनेशन के पहले दौर में ही हालांकि टीम को कोलंबिया के खिलाफ 6-0 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ियों ने तीन दौर में क्रमशः 54, 49, 52 के स्कोर किए। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि कोलंबिया ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन हमारे निशानेबाजों ने औसत से खराब प्रदर्शन किया। वे अभ्यास में भी 57-58 का स्कोर बना रहे थे। भारत ने दूसरे सेट में जब सिर्फ 49 का स्कोर किया तब कोलंबिया ने आसानी से बढ़त हासिल कर ली। भारत के 2019 विश्व चैंपियनशिप से क्वालीफाई करने में विफल रहने के बाद टीम ने तीन बार की ओलंपियन और सबसे अनुभवी तीरंदाज लैशराम बोम्बायला देवी के स्थान पर बाएं हाथ की अंकिता भक्त शामिल किया। डोला ने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकती कि अगर हमारे पास बोम (बोम्बयाला) होती तो हम क्वालीफाई कर ही लेते लेकिन अनुभव निश्चित रूप से मायने रखता है। जब आपके पास दो अनुभवी तीरंदाज हों तो एक दूसरे के खराब निशाने की भरपाई हो सकती है।' डोला ने कहा, 'अगर सीनियर खिलाड़ी का निशाना चूक गया तो जूनियर तीरंदाज नर्वस हो जाते है। अंकिता और कोमालिका को इस स्तर पर कम अनुभव है।'

टेनिस : रुड मालोर्का चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे

मालोर्का। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी नॉर्वे के कैस्पर रुड ने फ्रांस के गाइल्स सिमोन को हराकर यहां चल रहे मालोर्का चैंपियनशिप के दूसरे दौर में जगह बनाई। रुड ने 71 वीं रैंकिंग के खिलाड़ी सिमोन को 6-4, 7-6(4) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। रुड का अगले दौर में सामना अमेरिका के टेनिस सांद्रोन से होगा जिन्होंने विश्व के 69वें नंबर के खिलाड़ी स्पेन के जाउमे मुनार को 7-6(3), 7-5 से हराया। विश्व के 29वें नंबर के खिलाफ रूस के कारेन खाचानोव ने फ्रांस के क्वालीफायर लुकस पोउइले को दो घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6(7), 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव का दूसरे राउंड में सामना स्पेन के फेलिसिआनो लोपेज से होगा। लोपेज ने हमवतन निकोला कुहन को 6-1, 7-6(4) से हराया। इटली की स्टेफानो ट्रावाग्लिया ने अर्जेंटीना के गुइदो पेला को 7-5, 7-6(4) से हराया।

चर्चिल बदर्स से 2013 में करार करने वाला था लेकिन अंतरआत्मा की आवाज से बीएफसी से जुड़ा: छेत्री

नयी दिल्ली,

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री 2013 में गोवा के क्लब चर्चिल ब्रदर्स के साथ करार पर हस्ताक्षर करने वाले थे लेकिन 'अंतरआत्मा की आवाज' ने उन्हें बेंगलुरू एफसी (बीएफसी) का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। छेत्री ने इस टीम के साथ पिछले आठ वर्षों में आठ ट्राफियां जीतीं है। इस 36 साल के दिग्गज ने कहा कि एएफसी कप में खेलने का लालच और उनके परिवार और दोस्तों ने चर्चिल में शामिल होने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने आखिर में गोवा के इस क्लब से नहीं जुड़ने का फैसला किया। चर्चिल ब्रदर्स ने 2012-13 में आई-लीग का खिताब जीता और महाद्वीप की दूसरी स्तरीय क्लब प्रतियोगिता एएफसी कप में भाग लिया था। उन्होंने ने कहा, '' सभी ने मुझे चर्चिल ब्रदर्स (2013) से जुड़ने का सुझाव दिया। वह आई-लीग चैम्पियन और बड़ी टीम थी और एएफसी कप में खेलने जा रही थी। दूसरी ओर एक नया क्लब (बेंगलुरु एफसी) था और किसी को नहीं पता था कि टीम के साथ कौन-कौन जुड़ेगा। मेरे लिये यह जोखिम की तरह था जिसे मैंने लेने का फैसला किया।'' छेत्री ने बेंगलुरू एफसी के साथ अपने अनुबंध को और दो साल के लिए बढ़ा दिया है और वह 2023 तक इंडियन सुपर लीग टीम के साथ रहेंगे। बेंगलुरु एफसी ने 2013 से आठ ट्राफियां जीती हैं, जिसमें दो आई-लीग खिताब (2013-14 और 2015-16) और एक इंडियन सुपर लीग चैम्पियनशिप (2018-19) शामिल हैं। बीएफसी 2015-16 एएफसी कप में उपविजेता भी रहा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने के मामले में सक्रिय खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने कहा, '' मैंने एक क्लब में ज्यादा समय नहीं बिताया है, यहां तक कि उन क्लबों में भी जहां मेरा बहुत अच्छा तालमेल और समय था। मोहन बागान में तीन साल और जेसीटी में तीन साल शानदार रहे। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आप किसी क्लब में लंबे समय तक रहेंगे।'' उन्होंने कहा, '' हो सकता है कि मेरे यहां से जाने की संभावना हो और लोगों की दिलचस्पी भी मुझ

में हो, तो जाहिर तौर इस बारे में बातचीत हो रही थी। अगर सब कुछ ठीक रहा तो मैं यहीं रहूंगा।'' क्लब स्तर के 203 मैचों में 101 गोल करने वाले छेत्री ने कहा कि उनके लिए यह क्लब और शहर घर जैसा है।

भारत के लिए गोल्डमनी एशियन शतरंज टूर में गोल्ड जीतने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली।

भारत अगले मेल्टवॉटर चैंपियंस शतरंज टूर इवेंट में अपना दबदबा बनाने को तैयार है। इस इवेंट में चार बेहतरीन युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जहां भारत के पास गोल्ड जीतने का सुनहरा अवसर होगा। गोल्डमनी एशियन रैपिड में 100,000 डॉलर (लगभग 74 लाख) की पुरस्कार राशि होगी। यह प्ले मैग्नस ग्रुप द्वारा आयोजित ऑनलाइन शतरंज के प्रतिष्ठित एटीपी-स्टाइल सीजन का सातवां चरण है। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती और अधिबान भास्करन के साथ भारत के दो सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी गुकेश डी और अर्जुन एरिगैसी ने इसके लिए क्वालीफाई किया है या उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। प्रतियोगिता में भारत के चार खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाना गर्व की बात है, क्योंकि अब तक इस टूर पर किसी भी अन्य देश के इतने खिलाड़ियों को आमंत्रित नहीं किया गया है। गोल्डमनी एशियन रैपिड एक 16-खिलाड़ियों की ऑनलाइन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता है जिसकी शुरूआत 26 जून से होगी और यह प्रतियोगिता नौ दिनों तक चलेगी। विश्व चैंपियन और वर्तमान टूर लीडर मैग्नस कार्लसन और शीर्ष एशियाई प्रतिभाएं अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। लेकिन सभी की निगाहें चेन्नई के 15 साल के गुकेश डी पर होंगी, जिन्होंने हाल ही में गेलफैंड चैलेंज टूर्नामेंट जीतने के बाद क्वालीफाई किया था। वह पहली बार मेल्टवाटर चैंपियंस शतरंज टूर के रैपिड शतरंज फॉर्मेट में कार्लसन से मुकाबला करेंगे। नासिक में जन्मे विदित गुजराती, भारत के नंबर तीन खिलाड़ी हैं और भारतीय शतरंज पसंद करने वालों के बीच इनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। 17 साल के एरिगैसी भी टॉप लेवल पर कामयाबी हासिल करने की उम्मीद कर रहे होंगे और भास्करन अपनी आक्रामक शैली का प्रदर्शन करना चाहेंगे जिसके कारण उन्हें द बीस्ट उपनाम दिया गया है।

बॉयोलॉजिकल साइंस में उज्वल भविष्य

वि. विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पहल पर छह वर्ष पहले दिल्ली वि. विद्यालय में शुरू किया गया यह कोर्स छात्रों के बीच धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहा है. इस कोर्स में छात्रों को न सिर्फ बॉयोलोजी बल्कि जूलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, बॉयोटेक्नोलॉजी, केमेस्ट्री और उससे संबंधित विषय एक साथ पढ़ने का मौका मिल रहा है.

देश-विदेश में इंटर-डिसिप्लिनरी साइंस के क्षेत्र में रिसर्च को लेकर नये कोर्स तैयार किए गये हैं जिनमें बीएससी बॉयोलॉजिकल साइंस भी शामिल है. वि. विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की पहल पर छह वर्ष पहले दिल्ली वि. विद्यालय में शुरू किया गया यह कोर्स छात्रों के बीच धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहा है. इस कोर्स में छात्रों को न सिर्फ बॉयोलोजी बल्कि जूलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, बॉयोटेक्नोलॉजी, केमेस्ट्री और उससे संबंधित विषय एक साथ पढ़ने का मौका मिल रहा है. तीन साल के इस कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर मुख्य, तीन इलेक्टिव और दो-दो पेपर प्रैक्टिकल के होते हैं. यूजीसी ने पांच-छह वर्ष पहले देश के सभी वि. विद्यालयों और कॉलेजों में इंटर डिसिप्लिनरी कोर्स के रूप में बॉयोलॉजिकल साइंस में बीएससी नामक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा था. इस प्रस्ताव को दिल्ली विविद्यालय के वेंकटेर कॉलेज ने 2005 में स्वीकार किया. देश के राज्य स्तर पर चलने वाले विविद्यालयों में इस पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है लेकिन कई संस्थानों में इसे शुरू करने की कवायद हो रही है.

रिसर्च में तवज्जो

विशेषज्ञों की मानें तो भारत से बाहर विदेशी विविद्यालयों में हाल के वर्षों में इस कोर्स को करने वाले को रिसर्च में काफी तवज्जो दी जा रही है. भारत के भी कई नामचीन संस्थाओं में इस कोर्स को करने वाले छात्रों को एमएससी और रिसर्च के लिए बेहतर मौका मुहैया कराया जा रहा है. यह कोर्स इस तरह के अवसरों के लिए ही बेस तैयार करता है. एक और बात यह कि साइंस का यह ऐसा कोर्स है जो स्नातक स्तर से ही रिसर्च को मौका देता है जबकि अन्य कोर्स एमएससी या उसके बाद रिसर्च की ओर बढ़ते हैं. कोर्स का ढांचा बॉयोलॉजिकल साइंस के छात्रों को इसमें पहले साल में फाउंडेशन कोर्स पढ़ना होता है. लाइफ साइंस और इस कोर्स के लिए विविद्यालय में एक ही तरह के फाउंडेशन कोर्स हैं.

कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर

जूलॉजी और बॉटनी ऑनर्स से यह कोर्स थोड़ा भिन्न इस मायने में है क्योंकि यहां छात्र विभिन्न विषयों को पढ़ते हैं. जूलॉजी या बॉटनी ऑनर्स वालों को पहले वर्ष में भौतिकी और गणित नहीं पढ़ाई जाती जबकि बॉयोलॉजिकल साइंस में यह कंपलसरी है. दूसरे साल में छात्र बॉयोलॉजी से संबंधित कोर्स पढ़ते हैं. इसके तहत उन्हें बॉयो केमेस्ट्री, केमेस्ट्री, फिजियोलॉ जी, बॉयो मॉलेक्यूलर, बॉयो फिजिक्स जैसे विषय मिले हुए हैं. तीसरे साल में भी इन्हीं से संबंधित विषयों को छात्र पढ़ते हैं. तीन साल के इस कोर्स में कुल मिलाकर 12 पेपर मुख्य, तीन इलेक्टिव और दो-दो पेपर प्रैक्टिकल के होते हैं. इस कोर्स में दूसरे फील्ड के सहयोग से बॉयोलॉजिकल डाटा का विश्लेषण कैसे करें, इसके बारे में बताया जाता है. साथ ही, आधुनिक बॉयोलॉजी के बारे में रुचि जगाना ओर दूसरे विषयों से इसके संबंधों को बताना, इस पर विशेष ध्यान दिया जाता है. इसमें लैब और फील्ड प्रैक्टिकल दोनों पर जोर होता है.

इंटरडिसिप्लनरी कोर्स में एमएससी

आगे की राह इस कोर्स को पूरा करने के बाद छात्रों को नामचीन संस्थाओं में बायॉटेक्नोलॉजी, बॉयोके मेस्ट्री जैसे इंटरडिसिप्लनरी कोर्स में एमएससी करने का मौका मिलता है. कोर्स के विशेषज्ञ शरदचन्द्र के मुताबिक यह मूलत- रिसर्च आधारित कोर्स है. इसलिए इसमें नौकरी के अवसर एमएससी और पीएचडी करने के बाद कई तरह के मिलते हैं. छात्र विभिन्न रिसर्च संस्थाओं में बतौर अनुसंधानकर्ता नौकरी कर सकते हैं. विदेशों में रिसर्च करने के लिए उन्हें स्कॉलरशिप भी मुहैया कराई जाती है. वे किसी प्रयोगशाला से भी जुड़ सकते हैं. पब्लिक सर्विस, फिशरी, हॉर्टिकल्चर, पर्यावरण स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी ऐसे विशेषज्ञों की मांग रहती है.

ग्रुप डिस्कशन से होता है व्यक्तित्व का विकास

जीवन में सफलता हासिल करना हर व्यक्ति की लालसा होती है. अगर आपको भी आगे बढ़ना है तो जानिए कुछ टिप्स...

ग्रुप डिस्कशन (जीडी) में सफल होने के बाद ही आप आज के दौर की अधिकतर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का स्वाद चख सकते हैं. इसके माध्यम से आपका अन्य प्रतिभागियों के साथ सहयोग, व्यवहार के अलावा अपनी बात सही, सटीक और समय पर सलीके से कहने का ढंग और विषय पर आपकी पकड़ को परखा जाता है. इसमें सफलता आपके व्यक्तित्व की दृढ़ता और आत्मविश्वास पर निर्भर करती है.

भाषा - अपना पक्ष प्रभावी रूप से रखने के लिए भाषा पर आपकी अच्छी पकड़ होना जरूरी है. इसके लिए पहले से ही आपको उच्चारण और शब्द ज्ञान को सुधारने पर ध्यान देना चाहिए.

शिष्टाचार - डिस्कशन के दौरान शिष्टाचार का विशेष ध्यान रखना चाहिए. ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे. अपनी बात रखते समय तार्किक रहें और कभी भी ज्यादा जोर से न बोलें. ज्यादा जोर से बोलना अच्छा नहीं माना जाता है. आपकी बातों में भटकाव या विखराव नहीं होना चाहिए. आपका ध्यान विषय पर केंद्रित होना चाहिए. डिस्कशन के दौरान ठहाका लगाकर हंसना भी ठीक नहीं है और किसी के कमजोर तर्क या भाषा आदि का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए.

विषय - अगर चर्चा की शुरुआत करनी है, तो उसी विषय पर बातचीत करें, जिसका आपको अच्छा ज्ञान हो. हां, चर्चा करते समय इस बात का ध्यान रखें कि टॉपिक का विषय, वातावरण और उस वक्त की जरूरत के हिसाब से ही हो.

अच्छा श्रोता बने - दूसरों की भी सुनें अच्छा वक्ता होने के लिए अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है. साथी प्रतियोगी की बात ध्यान से सुनें. अगर किसी बात पर अपनी सहमति और असहमति व्यक्त करनी हो, तो शालीनता के साथ अपना पक्ष रखें. अपना पक्ष मनवाने के लिये फिजूल में बहस या जिद किसी भी सूरत में नहीं करनी चाहिए. इुआक्रामकता नहीं किसी पर हावी होने की कोशिश न करें. जिद्दी और आक्रमक रवैया आपके लिये नुकसानदायक हो सकता है.

टू द प्वाइंट - डिस्कशन के दौरान विषय से भटकाव आ जाये तो अपनी सूझ-बूझ से बातों-बातों में वापस विषय पर ला दें तो इसका प्रभाव अच्छा रहता है.

न्यूक्लियर साइंस में करियर बनाएं

न्यूक्लियर साइंस के जरिए कई क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है. हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर में इसकी जरूरत है.

न्यूक्लियर साइंस के जरिए कई क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है. हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर आदि में इसकी जरूरत पड़ती है. जिनके अंदर प्रमाण सहित नतीजों तक पहुंचने का माद्दा और अपनी खोज को लोगों के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता होती है, ऐसा वैज्ञानिक किसी भी देश के लिए बहुमूल्य हैं. न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में विकास के साथ ही इस क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यता वाले वैज्ञानिकों की मांग भी बढ़ी है. न्यूक्लियर साइंस की आवश्यकता करियर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे हेल्थकेयर, रिसर्च, एनर्जी और न्यूक्लियर पावर आदि में पड़ती रहती है. आमतौर पर न्यूक्लियर साइंस की पढ़ाई स्नातक स्तर से विभिन्न शोधों में प्रशिक्षण और लैब प्रैक्टिस द्वारा शुरू हो जाती है. इस क्षेत्र में मौजूद महत्वपूर्ण करियर हैं, न्यूक्लियर इंजीनियर, न्यूक्लियर फिजिसिस्ट और न्यूक्लियर मेडीसिन फिजिशियन

न्यूक्लियर इंजीनियर - न्यूक्लियर इंजीनियर प्रयोगशालाओं, प्लांट्स, यूनिवर्सिटी और गवर्नमेंट एजेंसियों में काम करता है. आमतौर पर दूसरे वैज्ञानिकों की टीम के साथ काम करते हुए न्यूक्लियर इंजीनियर्स न्यूक्लियर से संबंधित विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे एनर्जी और पावर सोर्स डेवलपमेंट, इनवायरमेंटल पॉलिसी डिजाइन या रेडियोलॉजी के तत्वों को हेल्थकेयर और उद्योगों में कैसे उपयोग किया जाए की खोज पर फोकस करता है. इस क्षेत्र के इंजीनियर्स आमतौर पर न्यूक्लियर पावर प्लांट्स, एयरोस्पेस, मैन्युफैक्चरिंग या मिलिट्री में काम करते नजर आते हैं.

योग्यता - न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की पोस्ट के लिए कई चीजों की आवश्यकता होती है जिसमें न्यूक्लियर इंजीनियरिंग में डिग्री के साथ ही इंजीनियर्स लाइसेंस भी आवश्यक है. अतिरिक्त योग्यता प्रोफेशन के आधार पर भिन्न होती है. लेकिन स्पेशलाइजेशन ट्रेनिंग, सटीर्फिकेशन या इंडस्ट्री स्पेसिफिक लाइसेंसिंग भी शामिल होता है. न्यूक्लियर इंजीनियर की पढ़ाई इंजीनियरिंग की बैचलर डिग्री से जिसमें फिजिक्स के साथ ग्रेजुएट डिग्री के साथ होती है.

लाइसेंसिंग - दूसरे इंजीनियरिंग प्रोफेशंस के समान ही न्यूक्लियर इंजीनियर को भी जहां वह काम करता है उस राज्य द्वारा लाइसेंस लेना पड़ता है.

न्यूक्लियर फिजिसिस्ट - सामान्यत- न्यूक्लियर फिजिसिस्ट यह पढ़ते हैं कि आसपास न्यूक्लियस मूव्स किस तरह होते हैं, वे फिजिकल लॉ और थ्योरम को ऑपरेट करना भी सीखते हैं. आमतौर पर वे किसी शोध में काम करते हैं और ऐसे क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, एनर्जी, एयरोस्पेस, कम्युनिकेशंस या हेल्थकेयर इक्विपमेंट्स आदि का हिस्सा बनते हैं. ये ज्यादातर वक्त लैबोरेटरी में न्यूक्लियर फिजिक्स के प्रयोग से प्रैक्टिकल एप्लीकेशंस को डिजाइन करते हैं. न्यूक्लियर फिजिसिस्ट अधिकतर प्राइवेट सेक्टर, गर्वनमेंट एजेंसी, नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी या यूनिवर्सिटी में काम कर सकते हैं. न्यूक्लियर इंजीनियर से अलग फिजिसिस्ट को उनके शोध के लिए अकसर गर्वनमेंट, पब्लिक या प्राइवेट ग्रांट मिल जाती है.

न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन - न्यूक्लियर फिजिशियन विभिन्न रोगों जैसे कैंसर और थायराइड को रेडियोग्राफिक इमेजरी और दवाइयों जिसमें अकसर रेडियो न्यूक्लिडेस के साथ-साथ रेडियेशन ट्रीटमेंट देता है. वे अकसर दूसरे फिजिशियंस के साथ कंसलटेंट के रूप में काम करते हैं और इमरजेंसी और पेशेंट के डाटा को देखकर उसको डायग्नोस और ट्रीटमेंट की सलाह देते हैं. न्यूक्लियर मेडिसिन में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए पांच से सात साल की अतिरिक्त ट्रेनिंग आवश्यक है.

योग्यता - आमतौर पर फिजिशियन मेडिकल स्कूल खत्म करने के बाद न्यूक्लियर मेडिसिन की ट्रेनिंग ले सकता है.

संस्थान-
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास एसआरम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

कुछ व्यक्तियों की सोच होती है, जैसे वे सबकुछ जानता है. वास्तव में, कोई इंसान सबकुछ नहीं जान सकता.

आत्मविश्लेषण अहम

सबकुछ जानते हैं यह सोच गलत

अगर कोई ऐसा सोचता है तो वह ऐसा सोचकर अपने दिमाग का दरवाजा बंद कर लेता है. जब कोई खुद को बुद्धिमान और ज्ञानी समझने लगता है तो ऐसी हालत में वह नए थॉट्स और इनफॉर्मेशन को जानने-पहचानने के अलावा नए विचारों को अपने भीतर आने नहीं देता. सफलता प्राप्त करने के लिए इन मामलों से निजात पाना जरूरी है.

त्यागें सेल्फ ईगो- जो काम आपको नहीं आता, जिसके बारे में आपको जानकारी नहीं हैं तो उसे स्वीकारना सीखें. दूसरों को दिखाने के लिए यह न कहें कि वह तो मुझे मालूम है, जबकि वास्तव में उसके बारे में आपको ढेला तक भी मालूम नहीं होता. अकसर देखा जाता है कि लोग अपने जूनियर के सामने खुद को अधिक बुद्धिमान दिखाने की कोशिश करते हैं, जबकि कई मामलों में वे होते नहीं हैं. जो चीज आपको नहीं पता है या जिसके बारे में अनजान हैं, तो आप किसी से भी सीख सकते हैं लेकिन इसके लिए आपको अपना ईगो दूर करना होगा. यदि आप छोटे से ही कुछ बातें सीख लेंगे तो वह आपका अपना हो जाएगा.

कुछ नया करें- हमेशा कुछ नया सीखने और नया काम करने के लिए तैयार रहें. नया सीखने के लिए जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ अपने फील्ड की जानकारी से ही अपडेट रहें. प्रेरणा कहीं से भी मिल सकती है. यह ऐसी चीज है जिसे आप सफल व्यक्ति से लेकर मजदूर तक से भी ले सकते हैं.

ध्यान से सुनें- जिस व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, उनकी बातों को ध्यान से सुनें. उनकी विचारों को भी समझें. सुनना एक कला है. उनके हर सवालों का जवाब अपनी जानकारी के अनुसार सही सही दें. साथ ही, कोई जरूरी नहीं है कि सामने वाले के हर बात का जवाब दिया ही जाए.

डायरी लिखें- दिनभर में जो कुछ नया देखें, उसे डायरी में नोट कर लें. जब आप किसी जानकार जूनियर या सीनियर से कुछ सीख लेते हैं या डेली लाइफ में बातचीत के दौरान कोई अच्छा शब्द मिल जाता है, उसे नोट कर लेंगे तो आपको वह याद रहेगा और उसका उपयोग आप आगे कर सकते हैं.

आत्मविश्लेषण करें- कोई भी व्यक्ति जन्मजात महान या खास नहीं होता. बस वह अपने कार्यों से, अपने गुणों से, अपने सिद्धांतों से महान बनता है. वही व्यक्ति जीवन में आगे निकलता है जो अपना आत्मविश्लेषण करता है और अपने हर कदम पर सोचता है कि उसने सही कदम उठाया या नहीं.

काम को समझें- जो काम जरूरी है, उसे अच्छी तरह से समझने के बाद ही करें. जब तक काम को अपनी समझ में शामिल नहीं करेंगे, तब तक आपको काम में मन नहीं लगेगा.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इज़राइल में सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

यरूशलम। इज़राइल में सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए और सीमित लोगों की उपस्थिति में सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इज़राइल में हाल ही में बंद स्थानों पर भी मास्क ना पहनने की अनुमति दी गई है, इससे पहले खुले स्थानों पर इसकी अनुमति दी गई थी। साथ ही लोगों के एकत्रित होने पर लगी रोक हटाने के बाद यह उत्साह के साथ मनाया गया। सोमवार को अवकाश ना होने के बावजूद लोगों में उत्साह दिखा और कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए वे कई पार्क में आयोजित योग सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे। इज़राइल में भारत के राजदूत संजीव सिंगला ने कहा, ''योग की लोकप्रियता को बढ़ता देखना बेहद खुशी की बात है, खासकर इज़राइल में जहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रति लोगों की चेतना काफी बढ़ गई है। हम सभी को उनके प्रयासों और इस मौके का जश्न मनाने में सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा करते हैं। यह विश्व को भारत का तोहफा है और अब योग के समग्र कल्याण को देखते हुए यह अधिक प्रासंगिक है।''

कनाडा में आग लगने से दो गिरजाघर जलकर खाक, मामले की जांच कर रही जांचकर्ता

ऑलिवर (कनाडा)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में दो रोमन कैथोलिक गिरजाघर जलकर खाक हो गए। कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल ने यह जानकारी दी। 'रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) ने बताया कि गश्त पर निकले अधिकारियों ने पेंटिक्टन इंडियन बैंड रिजर्व के 'सेक्रेड हार्ट चर्च' से सोमवार सुबह आग की लपटें निकलती देखी। अधिकारियों के घटनास्थल तक पहुंचने तक पूरे गिरजाघर में आग फैल गई थी। इसके दो घंटे से भी कम समय बाद ब्रिटिश कोलंबिया के ऑलिवर में आरसीएमपी को 'सेंट जॉर्जी चर्च' में आग लगने की जानकारी मिली। यह गिरजाघर ओसोयूस इंडियन बैंड रिजर्व में स्थित है। आरसीएमपी ने बताया कि दोनों गिरजाघर जलकर खाक हो गए हैं और जांचकर्ता मामले की जांच कर रहे हैं। सर्जेंट जैसन बायदा ने एक बयान में कहा कि आरसीएमपी हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच करेगा। सभी तथ्यों तथा सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। हम अभी कोई कयास नहीं लगाना चाहते हैं।

इंडोनेशिया ने सूक्ष्म प्रतिबंध कड़े किए

जकार्ता। इंडोनेशियाई सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते प्रसार के बीच सूक्ष्म पैमाने पर प्रतिबंधों को कड़ा करने का फैसला किया है और उन्हें मंगलवार से बढ़ाकर 5 जुलाई कर दिया है। रेड जोन में स्थित कार्यालयों को अधिकतम 25 प्रतिशत कर्मचारियों को रखने की अनुमति होगी और अन्य क्षेत्रों में अधिकतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों को रखने की अनुमति है, एयरलंगा हार्टटरे, कोविड -19 हैंडलिंग और नेशनल इकोनॉमिक रिकवरी के प्रमुख समिति ने सोमवार को घोषणा की। रेगुलेशन के अनुसार, रेड जोन में बाजार, शॉपिंग सेंटर, रेस्तरां और कैफे जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों को रात 8 बजे तक संचालित करने की अनुमति है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतम 25 प्रतिशत आगंतुकों के साथ, जबकि किराने का सामान, फार्मेसी और महत्वपूर्ण क्षेत्र पूरी तरह से संचालित हो सकते हैं। लाल क्षेत्रों में कला और संस्कृति केंद्र और पूजा स्थल पूरी तरह से बंद हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में अधिकतम 25 प्रतिशत आगंतुक क्षमता के साथ काम करने की अनुमति है।

साइप्रेस ने 9 यूरोपीय देशों को कम जोखिम वाली श्रेणी में जोड़ा

निकोसिया। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यूरोप के नौ देशों को उनके कोरोनावायरस महामारी विज्ञान की स्थिति के आधार पर यात्रा के लिए कम जोखिम वाली श्रेणी में शामिल किया है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, हंगरी, जर्मनी, इटली, फिनलैंड, स्लोवाकिया और नॉर्वे को मध्यम जोखिम वाले नारंगी समूह से कम जोखिम वाले ग्रीन समूह में ले जाया गया। गुरुवार से प्रभावी, वे माल्टा, पोलैंड, रोमानिया, आइसलैंड और तीसरे देशों ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और इजराइल में उस श्रेणी में शामिल हो जाएंगे जहां यात्रियों को द्वीप में आने पर कोविड -19 या खुद के लिए आइसोलेट और निगेटिव परीक्षण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। बेल्जियम, डेनमार्क, एस्टोनिया, फ्रांस, ग्रीस, क्रोएशिया, लातविया, लिथुआनिया, स्लोवेनिया और स्वीडन को उच्च जोखिम वाले रेड ग्रुप से ऑरेंज ग्रुप में ले जाया गया, जहां वे पुर्तगाल, आयरलैंड और लक्जमबर्ग में शामिल हो गए। ऑरेंज सूची में अन्य देश तीसरे देश चीन, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान हैं। इस श्रेणी के यात्रियों को प्रस्थान से 72 घंटे से कम समय में लिया गया एक निगेटिव पीसीआर प्रयोगशाला परीक्षण प्रस्तुत करना आवश्यक है।

साल 2020 में 26,425 बच्चों के खिलाफ गंभीर उत्पीड़न वाली घटनाएं - यूएन

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि साल 2020 में बच्चों के खिलाफ कम से कम 26,425 गंभीर उत्पीड़न वाले मामले दर्ज हुए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को जारी वार्षिक बाल और सशस्त्र संघर्ष (सीएएसी) रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पीड़न में से साल 2020 में 23,946 मामले दर्ज किए गए थे जबकि 2,479 मामले पहले किए गए थे, लेकिन पिछले साल ही इनको सत्यापित किया जा सका था। इस उत्पीड़न से 19,379 बच्चे प्रभावित हुए, जिनमें 21 स्थितियों में 14,097 लड़के शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पीड़न की सबसे ज्यादा संख्या 8,521 बच्चों की भर्ती और उनका इस्तेमाल किया गया, इसके बाद 8,422 बच्चों की हत्या और अपंगता और मानवीय पहुंच से इनकार की 4,156 घटनाएं हुईं।

न्यूजीलैंड में 12 से 15 साल के बच्चों के लिए फाइजर वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के दवा नियामक मेडसेफ ने 12 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए फाइजर वैक्सीन को तात्कालिक मंजूरी दे दी है, और प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न को अगले सप्ताह इसे कैबिनेट की मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद 12-15 वर्ष के बच्चे अपनी बारी आने पर टीका लगवा सकेंगे। यह सच है कि बच्चों को कोविड-19 से गंभीर बीमारी या मृत्यु का जोखिम वृद्ध लोगों की तुलना में कम होता है, फिर भी दो कारणों से उन्हें टीका लगाना आवश्यक है। पहला, यदि बच्चे वायरस से संक्रमित होते हैं तो वे इसे अन्य लोगों में फैला सकते हैं, जिनमें उच्च जोखिम वाले समूह या ऐसे लोग शामिल हैं जिन्हें चिकित्सा कारणों से टीका नहीं लगाया जा सकता है। कई देशों ने देखा कि कम उम्र के लोगों में इस बीमारी का प्रकोप शुरू हुआ और यह बड़ी उम्र के लोगों में फैल गया, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु तक की नौबत आ गई। दूसरा, बच्चों में बीमारी से मौत का जोखिम भले ही बहुत कम है, फिर भी बच्चों को कोविड-19 के परिणामस्वरूप दीर्घकालिक स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसे अक्सर लंबे कोविड के रूप में जाना जाता है।

ऐसा देखा गया है कि कम उम्र के लोगों का एक बड़ा वर्ग इससे प्रभावित हुआ है। मेडसेफ द्वारा बच्चों में टीकाकरण का अनुमोदन ठोस आंकड़ों पर आधारित है जो दर्शाता है कि टीका इस आयु वर्ग के लिए सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी है। यह यूरोप, अमेरिका और कनाडा में इसी तरह के कदमों का अनुसरण है। किशोरों का टीकाकरण करने से उनके बीमार होने और दूसरों में वायरस फैलाने का खतरा कम हो जाता है। टीका लगवाकर हम न केवल अपनी, बल्कि अपने आसपास के लोगों की भी सुरक्षा कर रहे हैं।

बच्चों के लिए न्यूज़ीलैंड की नयी टीकाकरण योजना न्यूज़ीलैंड में, 265,000 बच्चे 12-15 आयु वर्ग में हैं, जो कुल जनसंख्या के 5प्र. से अधिक है। इसे उन 80त्न में जोड़ें जो 16 वर्ष से अधिक उम्र के हैं, तो इसका यह मतलब है कि फाइजर वैक्सीन को अब 85प्र. आबादी में उपयोग के लिए मेडसेफ की मंजूरी मिल गई है। यह अच्छी खबर है क्योंकि जनसंख्या प्रतिरक्षा (कभी-कभी झुंड प्रतिरक्षा कहा जाता है) तक पहुंचने के लिए हमें वास्तव में ज्यादा से ज्यादा लोगों के टीकाकरण की आवश्यकता होगी। टीका अनिवार्य नहीं है और इसकी संभावना है कि हर कोई इसे नहीं लेना चाहेगा। इसका मतलब है कि हमें कम उम्र के कुछ बच्चों को टीका लगाने की आवश्यकता हो सकती है। छह से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए टीका उपयुक्त है या नहीं, इसका आकलन करने के लिए परीक्षण चल रहे हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक एशले ब्लूमफील्ड ने कहा कि परीक्षण के परिणाम उपलब्ध होने पर मेडसेफ इन पर विचार करेगा। हम जानते हैं कि उम्र और कोविड-19 के गंभीर जोखिम के बीच एक मजबूत संबंध है। यह सामान्य टीकाकरण के लिए वृद्ध लोगों

के साथ शुरू करने और धीरे-धीरे कम आयु समूहों तक जाने की नीति से समझ में आता है, जैसा कि पिछले सप्ताह अर्डर्न ने घोषणा की थी। इसके अपवाद हो सकते हैं - सीमा पर काम करने वालों के साथ रहने वाले किशोरों या जिनकी अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियां हैं, उन्हें पहले वैक्सीन लगाई जा सकती है। अन्य जोखिम कारक भी हैं। हम जानते हैं कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में लंबे समय से चले आ रहे प्रणालीगत नस्लवाद के परिणामस्वरूप, माओरी और प्रशांत क्षेत्र के लोगों को कोविड-19 के लिए अस्पताल में उपचार की आवश्यकता होने का अधिक जोखिम है। इसलिए, एक समान नीति का पालन करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि माओरी और प्रशांत समुदायों को टीके की शीघ्र पहुंच के लिए प्राथमिकता दी जाए।

उत्तर कोरिया : भाई किम दे रहा परमाणु क्षमता बढ़ाने की धमकी, बहन के अमेरिका को लेकर तीखे बोल!

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन किम यो जोंग ने अमेरिका के साथ कूटनीति जल्द बहाल होने की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा है कि वार्ता को लेकर अमेरिका की उम्मीदें ''उसे और अधिक निराश करेंगी''। किम जोंग उन ने हाल में अपने अधिकारियों से कहा था कि वे वार्ता और टकराव दोनों के लिए तैयार रहें। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने किम जोंग उन के इस बयान को ''दिलचस्प संकेत'' बताया था। सुलिवन की टिप्पणी के बाद किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को यह बयान दिया।

सरकारी मीडिया के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा, ''ऐसा लगता है कि अमेरिका हालात की व्याख्या स्वयं को दिलासा देने के लिए कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका की यह उम्मीद उसे और निराश कर देगी। उनका यह बयान तब आया, जब उत्तर कोरिया मामलों के शीर्ष अमेरिकी दूत सुंग किम दक्षिण कोरिया के दौरे पर हैं। सुंग किम ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उत्तर कोरिया वार्ता के अमेरिकी प्रस्तावों पर जल्द ही सकारात्मक प्रतिक्रिया देगा। दूसरी ओर, किम ने अपनी परमाणु क्षमता बढ़ाने की धमकी दी है और कहा है कि कूटनीति और द्विपक्षीय संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि वाशिंगटन उन नीतियों को छोड़ता है या नहीं, जिन्हें वह शत्रुतापूर्ण समझते हैं।

पहली बार व्हाइट हाउस में होगी अशरफ गनी और जो बाइडेन की मुलाकात

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अफगानिस्तान के अपने समकक्ष अशरफ गनी के साथ बैठक को लेकर उत्साहित हैं और इस दौरान दोनों नेता यह सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे कि अफगानिस्तान आतंकवादी समूहों के लिए फिर से पनाहगाह नहीं बने। अफगानिस्तान से 11 सितंबर तक अमेरिकी और नाटो के शेष सैनिकों की वापसी से पहले बाइडन शुक्रवार को व्हाइट हाउस में गनी से पहली बार आमने-सामने की मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने सोमवार को पत्रकारों को बताया, ''राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में शुक्रवार की बैठक को लेकर उनका (गनी का) स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। मुझे उम्मीद है कि बातचीत में यह सुनिश्चित करने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि अफगानिस्तान फिर से आतंकवादी समूहों के लिए पनाहगाह नहीं बने।'' रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और सैन्य नेतृत्व ''अफगानिस्तान में स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है''। बाइडन ने पेंटागन को इस साल 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी का निर्देश दिया है। बाइडन और गनी के बीच यह उच्चस्तरीय बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब तालिबान के लड़ाकों ने हाल के सप्ताह में अफगानिस्तान के कई नए जिलों पर कब्जा कर लिया है और दोनों पक्षों से कई लोगों के हताहत होने की सूचना है।

मुंबई आतंकवादी हमले- तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण मामले में 24 जून को होगी व्यक्तिगत सुनवाई

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की एक संघीय अदालत पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के मामले में बृहस्पतिवार को व्यक्तिगत सुनवाई करेगी, जिसे 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में उसकी संलिप्तता के कारण भारत ने प्रत्यर्पित किए जाने का अनुरोध किया है। माना जा रहा है कि भारत से अधिकारियों का एक दल अदालती कार्यवाही के लिए अमेरिका पहुंच गया है। अमेरिका ने अदालत के समक्ष कई अभिवेदनों में ''प्रत्यर्पण के प्रमाणन संबंधी अनुरोध के पक्ष में अमेरिका के जवाब'' के समर्थन में घोषणा की है। राणा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल होने के मामले में भारत में वांछित है। अमेरिका का कहना है कि 59 वर्षीय राणा का भारत में प्रत्यर्पण भारत और अमेरिका के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि के अनुरूप है।

अमेरिका सरकार ने दलील दी है कि भारत प्रत्यर्पण के लिए राणा सभी मापदंडों को पूरा करता है। अमेरिका ने कहा कि वह राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणन का अनुरोध करता है। अमेरिका का कहना है कि प्रत्यर्पण अनुरोध में संभावित कारण स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं और राणा ने भारत के अनुरोध को खारिज करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। राणा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है। भारत के अनुरोध पर राणा को मुंबई आतंकवादी हमले में संलिप्तता के आरोप में लॉस एंजिलिस में 10 जून, 2020 को फिर से गिरफ्तार किया गया था। मुंबई हमले में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोग मारे गये थे। भारत ने उसे भगोड़ा घोषित किया है। पाकिस्तानी मूल का 60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक हेडली 2008 के मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल था। वह मामले में गवाह बन गया था और वर्तमान में हमले में अपनी भूमिका के लिए अमेरिका में 35 साल जेल की सजा काट रहा है।

यूरोपीय संघ बुरुंडी के खिलाफ लगे प्रतिबंध को हटाएगा

गितेगा (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने बुरुंडी के खिलाफ प्रतिबंध हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है । प्रतिबंध की वजह से बुरुंडी सरकार की वित्तीय सहायता बंद हो गई है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, बुरुंडी में यूरोपीय संघ के राजदूत क्लाउड बोचू ने सोमवार को यह घोषणा की। मार्च 2016 में, तत्कालीन राष्ट्रपति पियरे नकरुनज़िजा की विवादास्पद तीसरी अवधि की बोली से उत्पन्न राजनीतिक संकट के बाद यूरोपीय संघ ने बुरुंडियन सरकार को अपनी प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता को निलंबित कर दिया था। बोचू ने राष्ट्रपति एवरिस्टे नादिशिमी से मुलाकात के बाद एक प्रेस वार्ता में बताया इस साल मई के अंत में, यूरोपीय संघ के कार्यकारी समूहों ने सर्वसम्मति से ब्लॉक के न्यायिक संस्थानों को बुरुंडियन सरकार को वित्तीय

सहायता के निलंबन को रद्द करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कदम शासन, कानून के शासन और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के मामले में नादिशिमी द्वारा शुरू की गई सकारात्मक प्रगति का अनुसरण करता है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ अधिक सकारात्मक परिणामों की उम्मीद कर रहा है। बोचू ने कहा कि यूरोपीय संघ अफ्रीकी विकास बैंक जैसे अन्य भागीदारों के साथ मिलकर इस साल के अंत से पहले बुजुंबुरा के बंदरगाह और उसके आसपास के पुनर्वास के लिए वित्त पोषण करने जा रहा है और कृषि क्षेत्र में धन का योगदान देता है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंध अक्टूबर में समाप्त हो जाएंगे जब तक कि उन्हें एक और वर्ष के लिए नवीनीकृत नहीं किया जाता है। लेकिन एनजीओ के एक समूह ने सोमवार को यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों को एक खुले पत्र में कहा कि ब्लॉक को बुरुंडी के खिलाफ प्रतिबंधों में ढील नहीं देनी चाहिए, जब तक कि वहां की सरकार पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकताओं को सताना बंद नहीं कर देती। राजनीतिक विरोधियों को दैनिक आधार पर गिरफ्तार किया जा रहा है और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। एनजीओ ने पत्र में कहा, 2020 के चुनावों के बाद से दर्जनों नए यातना मामलों का दस्तावेजीकरण किया गया है, और 2021 में कम से कम एक बंदी की खुफिया एजेंटों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद हिरासत में मौत हो गई।

उत्तर कोरिया में कोरोना का एक भी केस नहीं! देश ने डब्ल्यूएचओ को दी जानकारी

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को बताया कि उसने 10 जून तक 30,000 से अधिक लोगों की कोरोना वायरस संबंधी जांच की है, लेकिन देश में अभी तक संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को एक निगरानी रिपोर्ट में कहा कि जांच संबंधी उत्तर कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, चार जून से 10 जून तक 733 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 149 लोग इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों या गंभीर श्वसन संक्रमण से पीड़ित थे। विशेषज्ञों को उत्तर कोरिया के इस दावे पर संदेह है कि उसके यहां संक्रमण का एक भी मामला नहीं है, जबकि उसका स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा बहुत खराब है और उसके सबसे बड़े सहयोगी एवं उसकी आर्थिक जीवनरेखा माने जाने वाले चीन के साथ उसकी सीमाएं लगती हैं।

उत्तर कोरिया ने वायरस रोधी अपने प्रयासों को ''राष्ट्रीय अस्तित्व का मामला'' बताते हुए पर्यटकों पर प्रतिबंध लगा दिया है, राजनयिकों को बाहर भेज दिया है और सीमा पार यातायात एवं व्यापार को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। स्वत- लगाए गए

लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था पर और दबाव बना दिया है। उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था दशकों के कुप्रबंधन और देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम के कारण उस पर लगाए गए अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण पहले ही संकट में है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पिछले हफ्ते एक राजनीतिक सम्मेलन के दौरान अधिकारियों से लंबे समय तक कोविड-19 प्रतिबंध लागू रखने के लिए तैयार रहने को कहा था, जिससे संकेत मिलता है कि देश अपनी सीमाओं को खोलने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है।

पाकिस्तान फाइजर कोरोना टीके की 1.3 करोड़ खुराकें खरीदेगा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

सज्जाद हुसैन इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिकी कोविड टीके की 1.3 करोड़ खुराकें खरीदने के लिए फाइजर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंगलवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डॉन' अखबार ने खबर दी है कि फाइजर-बायोएनटेक टीके की 1.3 करोड़ खुराकों की आपूर्ति के लिए फाइजर पाकिस्तान और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के बीच सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। खबर के मुताबिक, इन खुराकों की आपूर्ति 2021 के दौरान करने की योजना है। फाइजर पाकिस्तान के देश प्रबंधक सैयद मोहम्मद वजीहुद्दीन ने एक बयान में कहा, 'हम पाकिस्तानी सरकार के साथ काम करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम पाकिस्तान के लोगों तक जल्द से जल्दकोविड-19 टीका पहुंचाने के लिए हमारे साझा लक्ष्य की ओर हमारे वैज्ञानिक और विनिर्माण संसाधनों को लगाने को तैयार हैं।'

बायोएनटेक में मुख्य व्यवसायी एवं प्रमुख वाणिज्य अधिकारी सीन मेरेट ने उनमें भरोसा जताने और समर्थन करने के लिए पाकिस्तानी सरकार का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के मुताबिक, एनआईएच में 57 देशों के कुल 630 राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कर्मचारियों को टीका लगाया गया है। एनआईएच के एक अधिकारी ने नाम न छापने की गुजारिश पर बताया कि नियमों के अनुसार, सिर्फ पाकिस्तानी नागरिक ही मुफ्त टीके के हकदार थे, लेकिन पिछले महीने राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कर्मचारियों को इस सुविधा का लाभ उठाने की इजाजत देने का फैसला किया गया। एक सवाल के जवाब में, अधिकारी ने कहा कि राजनयिकों को उपलब्ध टीकों में से विकल्प दिया गया था और अधिकतर ने चीनी टीकों का विकल्प चुना था। इस बीच अमेरिकी दूतावास ने बताया कि पाकिस्तान को यूएसएआईडी पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिकी सरकार द्वारा दान दिए गए आपातकालीन चिकित्सा उपकरणों की दूसरी खेप मिल गई है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री के विशेष सहायक, स्वास्थ्य, डॉ फैसल सुल्तान ने कहा, 'देश में 2,000 से अधिक टीकाकरण केंद्र हैं और हर केंद्र पर आगंतुकों की संख्या अलग अलग होती है। कुछ केंद्रों में टीकों की कमी हो सकती है।' इस बीच पाकिस्तान में मंगलवार को कोरोना वायरस के आठ महीनों में सबसे कम मामले सामने आए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 663 मरीज मिले जो पिछले साल 20

अक्टूबर के बाद सबसे कम हैं जब 660 संक्रमित मिले थे। पाकिस्तान में इस अवधि में 27 और मरीजों की मौत हुई जिसके बाद मृतक संख्या 22,034 पहुंच गई तथा कुल मामले 9,49,838 हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात इलेक्ट्रिकल व्हीकल पॉलिसी – 2021 की प्रमुख विशेषताएँ

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में पहल करते हुए आज गुजरात इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का ऐलान किया है। राज्य सरकार ने लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से इस नीति की घोषणा की है। यह पॉलिसी चार वर्ष के लिए है और ई वाहन जैसे टू व्हीलर, थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर पर लागू होगी।

-आने वाले 4 वर्षों में ई-व्हीकल के उपयोग में बढ़ोतरी करना

-गुजरात को ई-व्हीकल्स और उसके सहायक उपकरणों का मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना

-इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में युवा स्टार्ट-अप और निवेशकों को प्रोत्साहित करना

-वाहनों के धुएँ से होने वाले वायु प्रदूषण को रोककर पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना

-ई-व्हीकल्स की बैटरी चार्जिंग के लिए राज्य में वर्तमान 278 से अतिरिक्तनए 250 चार्जिंग स्टेशन के साथ कुल 528 चार्जिंग स्टेशन्स का इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना

-पेट्रोल पंप्स को भी चार्जिंक स्टेशन के लिए अनुमति दी जाएगी

-हाउसिंग और कॉमर्शियल कन्स्ट्रक्शन्स में चार्जिंग की व्यवस्था की जाएगी

-गुजरात के आरटीओ द्वारा पास किए गए ई-व्हीकल्स को रजिस्ट्रेशन फीस में से 100 प्रतिशत छूट

-4 वर्षों में कम से कम लगभग पांच करोड़ रूपये के

ईंधन की बचत होगी

-कम से कम 6 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा

-इलेक्ट्रिक टू व्हीलर के लिए 20 हजार रूपये तक, थ्री व्हीलर के लिए 50 हजार रूपये तक और फोर व्हीलर के लिए 1.50 लाख तक की सब्सिड़ी-प्रोत्साहन के रूप में दिए जाएंगे जो DBT के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा किए जाएंगे

-देश के अन्य किसी भी राज्य के मुकाबले गुजरात में ई-व्हीकल के लिए प्रति किलोवोट दुगुनी सब्सिड़ी दी जायेगी

-वाहन प्राइवेट है या कॉमर्शियल, इस बात को में ध्यान न रखते हुए सभी को सब्सिडी दी जाएगी

-भारत सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोत्साहन योजना फ्रेम-2 के तहत मिलने वाले प्रोत्साहनों के अलावा, राज्य सरकार ई-व्हीकल खरीदने वालों को अतिरिक्त सब्सिड़ी भी प्रोत्साहन स्वरूप देगी।

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय जीवन मूल्यों के साथ विश्व की आवश्यकता पूर्ण कर सके, ऐसे आत्मनिर्भर युवाओं का निर्माण होगा: राज्यपाल

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय जीवन मूल्यों के साथ विश्व की आवश्यकताएं पूर्ण कर सकें, ऐसे आत्मनिर्भर युवाओं के निर्माण का दस्तावेज है। राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा में गुणवत्तालक्ष्यी सुधार के क्षेत्र में नयी शिक्षा नीति की भूमिका के सन्दर्भ में आयोजित चिंतन बैठक में राज्यपाल ने नयी शिक्षा नीति के अमलीकरण में गुजरात द्वारा शुरु किए गए मैराथन कामकाज की प्रशंसा की गई। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि जो समाज भावी पीढ़ी को सम्भाल लेता है, वही दीर्घकालिक बन सकता है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र के कर्णधार बतलाते हुए कहा कि नयी शिक्षा नीति आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए युवाओं का दिशादर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के कारण 34 वर्ष बाद नयी शिक्षा नीति का अमल हो रहा है। इस शिक्षा नीति में कला एवं कौशल्य के साथ-साथ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इनोवेशन एंड रिसर्च को भी उतना ही महत्व दिया गया है। राज्यपाल ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था को बालकों के लिए अभ्यास की आजादी समान करार दिया। उन्होंने यह विश्वास व्यक्तकिया कि

गुजरात राज्य ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अमलीकरण के लिए रोडमैप तैयार किया है:शिक्षामंत्री

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अमलीकरण के क्षेत्र में गुजरात अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इस अवसर पर गुजरात के शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कहा कि गुजरात ने नयी शिक्षा नीति के अमल के लिए तेजी से टास्कफोर्स का गठन कर रोडमैप तैयार किया गया है।

नयी शिक्षा नीति के अमलीकरण में

छह साल की भांजी से मौसा ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के अमरोली क्षेत्र में छह साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। बच्ची से दुष्कर्म किसी और ने नहीं बल्कि उसके मौसा ने किया है। पीड़ित बच्ची के माता-पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक सूरत के अमरोली क्षेत्र में एक नेपाली परिवार छह साल की बच्ची के साथ रहता है। पति रात में सिक्युरिटी गार्ड की नौकरी करता है और पत्नी आसपास के घरों में काम कर जीवनयापन करते हैं। बीते दिन दोपहर 3 बजे बच्ची की माता अन्य घरों में करने गई थी और उसके पिता घर में सो रहे थे। बच्ची अपने घर में खेल रही थी। उस वक्त बच्ची का मौसा इशोर प्रेमप्रसाद ढकाल वहां पहुंच गया। नेपाल के अछम जिले के मूली गांव का मूल निवासी इशोर प्रेमप्रसाद ढकाल सूरत के अमरोली चौराहे के निकट गोपाल होटल में रहता है। इशोर जब बच्ची के घर पहुंचा तो उसके पिता सो रहे थे और माता घर पर नहीं थी। ऐसे में इशोर की हवस जाग गई और वह बच्ची को दूसरे कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मौसा के इस कृत्य से बच्ची रोने लगी। बेटी के रोने की आवाज सुनकर उसका पिता जाग गया। बच्ची के पिता के जगते ही इशोर वहां से भाग निकला। बच्ची ने अपने पिता से मौसा की करतूत की शिकायत कर दी।मासूम बेटी के साथ ऐसी घिनौनी हरकत से उसके पिता चौंक उठे और अपनी पत्नी को बुला लिया। बाद में दंपत्ति बच्ची को लेकर अमरोली पुलिस थाने पहुंच गया और इशोर प्रेमप्रसाद ढकाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी इशोर प्रेमप्रसाद ढकाल को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू

सार-समाचार

इलेक्ट्रिक वाहन की खरीदी पर मिलेगी सब्सिडी, सरकार ने पॉलिसी का किया ऐलान

गुजरात सरकार ने आगामी दिनों में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने और राज्य में ऐसे वाहनों का उत्पादन हो इस उद्देश्य से इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का आज ऐलान किया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज पत्रकार परिषद में इलेक्टिक व्हीकल पॉलिसी का ऐलान करते हुए कहा कि टू व्हीलर के लिए रु 20000, थ्री व्हीलर के लिए रु 50000 और फोर व्हीलर के लिए रु 150000 की सब्सिडी दी जाएगी। राज्य के अलग अलग स्थलों पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे और उसके लिए भी प्रति किलो वाट के आधार पर सब्सिडी दी जाएगी। फिलहाल राज्य में 250 चार्जिंग स्टेशन को मंजूरी दी गई है और अन्य 250 चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में इस महीने से बैटरी का उत्पादन शुरूहो जाएगा।

24 घंटों में राज्य की 125 तहसीलों में बारिश, सबसे अधिक उमरपाडा में 3 ईंच

शहर समेत राज्यभर में बरसाती माहौल बरकरार है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 125 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक सूरत के उमरपाडा में 3 ईंच से अधिक बारिश हुई है। सूरत के मांगरोल में 3, भरुच के अंकलेश्वर, भावनगर के महुवा और भरुच में 2.5 ईंच, महीसागर के लूणावाडा, भरुच के वालिया और बनासकांठा के डीसा में 2 ईंच बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के मुताबिक आज अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, साबरकांठा और पाटन में भारी बारिश का अनुमान है।

दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ जिलों में हलके से मध्यम बारिश हो सकती है। गुजरात समेत आसपास के अलावा उत्तर पश्चिम और उत्तर पूर्व अरब सागर में दक्षिण पश्चिम साइक्लोनिक सर्क्युलेशन के कारण उत्तरी गुजरात में बारिश का जोर अधिक रहेगा। राज्य में अब तक मौसम की औसत 10 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। सोमवार की सुबह तक राज्य की 206 तहसीलों में 5 ईंच, 36 तहसीलों में 5 से10 और 9 तहसीलों में 10 से 20 ईंच जितनी बारिश हो चुकी है। कच्छ में औसत 12.62 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 10.73 प्रतिशत, पूर्व-मध्य गुजरात में 8.66 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 8.95 प्रतिशत और दक्षिण गुजरात में 9.2 प्रतिशत बारिश हुई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्लीवालों को करना पड़ेगा गर्मी का सामना, शहर के न्यूनतम तापमान में इजाफा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सुबह गर्मी रही और न्यूनतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस बारे में बताया। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस था और अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में मंगलवार को सुबह सापेक्षिक आर्द्रता 61 प्रतिशत थी।वहीं, दक्षिण पश्चिम मानसून एक और दिन राष्ट्रीय राजधानी से दूर रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार को पछुआ हवाओं के चलने का पूर्वानुमान जताया है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

देश में कुछ अच्छा होने पर राहुल को होती है चिढ़, जमीन पर आकर करें काम: भाजपा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कोरोना महामारी के दौरान लापरवाही और टीकाकरण को लेकर सरकार से कई सवाल किए। राहुल गांधी के प्रहार पर अब भाजपा की ओर से पलटवार आया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी के तमाम सवालों का जवाब दिया है। पात्रा ने कहा कि जब भी हिंदुस्तान में कुछ अच्छा होता है और देश अच्छा परफॉर्म करता है, तो कहीं न कहीं कांग्रेसियों को उससे चिढ़ होती है। राहुल गांधी से रुका नहीं जाता और वो प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उस पूरे विषय पर एक प्रश्नचिन्ह लगाने का काम करते हैं।

अखिलेश यादव बोले- उत्तर प्रदेश सरकार ने छुपाए कोरोना से मौत के आंकड़े

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर कोविड-19 महामारी में मारे गए लोगों की असल संख्या छुपाने का आरोप लगाया है।
अखिलेश ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी से ये भंडाफोड़ हुआ है कि 31 मार्च, 2021 तक कोरोना काल के नौ महीनों में उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में मृत्यु का आंकड़ा सरकार द्वारा दिये गये आंकड़ों से 43 गुना अधिक है। उन्होंने ट्वीट में आरोप लगाया, राज्य की भाजपा सरकार मृत्यु के आंकड़े नहीं दरअसल अपना मुंह छिपा रही है। हालांकि यह ज्ञात नहीं हो सका है कि आरटीआई (सूचना के अधिकार) के तहत यह जानकारी किसे और कब दी गई।

जबरदस्ती धर्मांतरण का धंधा स्वीकार्य नहीं, ऐसा करने वालों को नतीजा भुगतना पड़ेगा- नक़वी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर एक बार फिर से नया विवाद शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दिल्ली के जामिया नगर में रहने वाले मोहम्मद उमर गौतम और काजी जहांगीर कासमी को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर मूक बधिर लोगों के धर्म परिवर्तन का आरोप लगा है। इन सबके बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बड़ा बयान दिया है। नकवी ने कहा कि जो जबरदस्ती धर्मांतरण का धंधा चल रहा है वो किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। जो ताकतें इसमें लगी हैं उनको समझ लेना चाहिए कि न कानून इसकी इज़ाजत देता है, न सरकार देती है, न समाज देगा। जो ऐसा करेंगे उन्हें कानून के दायरे में भुगतना पड़ेगा।

सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कांग्रेस विधायक को नाम बदनले की दी सलाह

भोपाल। राजधानी भोपाल से बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा पर निशाना साधा है। दरअसल, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को पत्र और गोमूत्र भेजने से नाराज सांसद ने पीसी शर्मा को अपना नाम बदलने की नहीसत दी है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं भारत के अस्तित्व पर जीती हूं, आपको अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप हिंदू नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि आपको पीसी के आगे शर्मा नहीं कुछ और लगाने की जरूरत है। आपको बता दें कि सांसद ने कुछ समय पहले गोमूत्र से कोरोना के ठीक होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था, 'गोमूत्र पीने से फेफड़ों का इंफेक्शन दूर होता है। मैं खुद भी गोमूत्र अर्क लेती हूं और इसलिए मुझे अभी तक कोरोना के लिए कोई औषधि नहीं लेनी पड़ी और न ही मुझे अभी तक कोरोना हुआ है।

सियासत और विवाद छोड़कर आम लोगों तक पहुंचाया जाए कोविड-19 टीकाकरण का फायदा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कोविड-19 टीकाकरण को लेकर राजनीति और बहस मुबाहिसे को खत्म करके इसका फायदा आम लोगों तक पहुंचाने का चौतरफा प्रयास करने की जरूरत बताई। मायावती ने मंगलवार को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, देश में कोरोना टीके के निर्माण व उसके बाद टीकाकरण आदि को लेकर विवाद, राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप आदि अब काफी हो चुका, जिसका दुष्परिणाम यहाँ की जनता को काफी भुगतना पड़ रहा है। मगर अब वैक्सीन विवाद को विराम देकर इसका लाभ जन-जन तक पहुँचाने का चौतरफा प्रयास जरुरी है। गौरतलब है कि कोविड-19 के टीके की उपलब्धता में कमी और टीकाकरण अभियान की प्रगति धीमी होने का आरोप लगाकर विपक्ष इन दिनों सरकार पर हमलावर है।

दिल्ली के पास भी होगा खुद का सदन, ठहरने की होगी उत्तम सुविधा, सरकार ने जारी की निविदा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अरुणाचल प्रदेश से लेकर लक्षद्वीप और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक हर राज्य और लगभग सभी केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य भवन या सदन राजधानी दिल्ली में है। या फिर कम से कम एक गेस्टहाउस है जो संबंधित राज्य के गणमान्य व्यक्तियों और दिल्ली आने वाले अधिकारियों को ठहरने की सुविधा प्रदान करता है। दिल्ली, दिल्ली में होने के कारण, राजधानी में अपना एक भवन बनाने से चूक गया है, लेकिन बहुत लंबे समय के लिए नहीं।

अंग्रेजी समाचार पत्र 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' में छपी रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली, राजधानी दिल्ली में होने के बावजूद अपना एक भवन बनाने से चूक गई। हालांकि जल्द ही दिल्ली के पास भी अपना एक भवन होगा। बता दें कि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारका सेक्टर 19 में 'दिल्ली सदन' का निर्माण कराएगी। जहां पर प्रदेश सरकार के गणमाण्य अधिकारियों के लिए रुकने की व्यवस्था होगी। दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग ने सदन निर्माण को लेकर सलाहकार

नियुक्त करने के लिए निविदा जारी की है। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार 'ब्रांड दिल्ली' की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इसका इस्तेमाल करेगी।

3,899 वर्गमीटर में बनेगा 'दिल्ली सदन'

दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग के मुताबिक 'दिल्ली सदन' के डिजाइन में पुरानी दिल्ली के हेरिटेज लुक का इस्तेमाल किया जाएगा। द्वारका के सेक्टर-19 में स्थापित होने वाले इस सदन को 3,899.42 वर्गमीटर में बनाया जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम लिमिटेड (डीटीटीडीसी) ने राज्य गेस्टहाउस, विदेशी दूतावासों और चार या उससे ऊपर के स्टार होटलों का अनुभव रखने वाले सलाहकारों द्वारा सदन की व्यापक वास्तुकला और इंजीनियरिंग योजना और डिजाइन के लिए सेवाओं को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'दिल्ली सदन' को कम से कम तीन स्टार रेटिंग वाला बनाया जाएगा। भवन में लॉबी, संगोष्ठी हॉल, मीटिंग रूम, समेत अन्य कमरे मौजूद होंगे। इसके अलावा बड़े हॉल, किचन और डाइनिंग एरिया भी बनाया जाएगा। इसमें वाहनों के लिए दिक्कत ना हो इसके लिए नीचे दो तल पर भूमिगत पार्किंग भी बनाई जाएगी।

भक्तों के लिए अच्छी खबर! बाबा बर्फानी के आरती के दर्शन होंगे लाइव-स्ट्रीम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने कोविड-19 महामारी के चलते वार्षिक अमरनाथ यात्रा को इस बार सांकेतिक रखने का निर्णय लिया है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को ऐसी तैयारियां करने के निर्देश दिए, जिससे श्रद्धालु गुफा मंदिर में होने वाली सुबह और शाम की आरती में डिजिटल तरीके से शामिल हो सकें। सिन्हा ने कहा कि इससे वे शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे और यात्रा से और संक्रमण की चपेट में आने से भी बच सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी परंपरागत धार्मिक अनुष्ठान पहले की ही तरह होंगे। अधिकारियों ने बताया कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सदस्यों के साथ विचार विमर्श के बाद धार्मिक कार्यक्रम को सांकेतिक रखने का निर्णय लिया गया।

विपक्षी दलों की बैठक पर बीजेपी का तंज, कहा- बपौती वाली राजनीति करने वालों के बस का नहीं चुनाव

नई दिल्ली। एनसीपी नेता शरद पवार के साथ विपक्षी पार्टियों के नेताओं की बैठक पर बीजेपी सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम हर उन नेताओं के द्वारा किए जाते हैं जिनको जनता ने बार बार नकारा है। ये कोई नई बात नहीं है। ये 2014 से पहले भी हुए हैं उसके बाद भी हुए हैं। 2019 के बाद भी हुए हैं। लेखी ने कहा कि आजकल चुनाव पार्टियों के बस का नहीं रहा क्योंकि वे बपौती वाली राजनीति करते हैं। कुछ कंपनियां हैं जो चुनाव लड़ने में मदद करने का काम करती हैं। उनको अपना बिजनेस चलाना है। वे सबको

प्रधानमंत्री बनाने का कार्यक्रम चलाएंगे तभी पैसा कमाएंगे, नहीं तो पैसा कैसे कमाएंगे। गौरतलब है कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को विपक्षी नेताओं की एक अहम मीटिंग बुलाई। ये मीटिंग उनके दिल्ली स्थित आवास 6 जनपथ पर बुलाई गई। ये बैठक मौजूदा राजनीतिक हालातों पर चर्चा के लिए बुलाई गई। इस मीटिंग में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ संभावित तीसरा मोर्चा बनाए जाने के भी कयास लगाए जा रहे हैं।

सिद्धू से घमासान, बार-बार दिल्ली बुलाए जाने से परेशान, कैप्टन कर सकते हैं अलग पार्टी बनाने का ऐलान?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पंजाब कांग्रेस में जारी घमासान थमने का नाम नहीं ले रही है। पंजाब से लेकर राजधानी दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है। सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच विवादो को सुलझाने की अब तक सारे प्रयास कारगर सिद्ध होते नहीं नजर आ रहे। एक बार फिर से पंजाब इकाई में कलह को दूर करने के मकसद से गठित तीन सदस्यीय समिति ने मंगलवार को राज्य के मुख्यमत्री अमरिंदर सिंह के साथ लंबी मंत्रणा की गई। हालांकि पंजाब में कांग्रेस के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीएम अमरिंदर सिंह बार-बार दिल्ली बुलाकर कमेटी के सामने पेश होने को कहे जाने से खासे नाराज हैं। हालांकि वो अभी भी पार्टी अनुशासन में रहते हुए ऐसा कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकाला गया तो बात और बिगड़ भी सकती है और पंजाब में नए राजनीतिक समीकरण भी देखने को मिल सकते हैं।

एक निजी चैनल के मुताबिक अमरिंदर सिंह अपनी अलग पार्टी भी बना सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि कैप्टन नवजोत सिंह सिदधू के मीडिया को दिए बयानों से काफी आहत हैं।

बता दें कि आज सीएम अमरिंदर कमेटी के सामने पेश हुए। जिसके बाद पंजाब के प्रभारी हरीश रावत ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह कमेटी के सामने आए और उन्होंने जो जानकारी दी उनका सीधा संबंध समाज के कमजोर तबकों से है। उन्होंने बिजली में रियायत देने की बात कही है, वर्षों से अस्थाई लोगों को नियमित करने की बात कही है।

हरीश रावत ने कहा कि उन्होंने सफाईकर्मियों को नियमित करने के आदेश देने की बात कही। दलितों, भूमिहीनों और गरीबों के कर्ज माफ करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं की स्कॉलरशिप बांटना प्रारंभ कर दिया गया है और शिक्षण संस्थाओं को कह दिया गया है कि सुनिश्चित करेंगे कि उन तक पहुंचे।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन का नया दांव, कृषि कानूनों और सीएए के खिलाफ पारित कराएंगे प्रस्ताव

चेन्नई। (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रूप में एमके स्टालिन को शपथ लिए 50 दिन भी पूरे नहीं हपे हैं लेकिन एक के बाद के विवादित फैसले लिए जा रहे हैं। हाल में भी मंदिरों में गैर ब्राह्मणों की नियुक्ति के लिए एक कोर्स शुरू करने तथा तमिलनाडु हिंदू रिलिजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट डिपार्टमेंट के अधीन आने वाले 36000 मंदिरों में उनकी नियुक्ति की घोषणा की गई है। अब इसके बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने एक और बड़ा फैसला किया है।

दरअसल, विधानसभा के आगामी बजट सत्र में केंद्र के कृषि कानून एवं संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरूद्ध प्रस्ताव पारित किये जाएंगे। इस विषय पर सदन में अपनी बात रख रहे द्रमुक के सदस्य तमिलझारसी के बीच में दखल देते हुए स्टालिन ने कहा कि केंद्र ने जब ये तीनों कृषि कानून बनाए तब से ही द्रमुक ने उन्हें वापस लेने की मांग की है क्योंकि ये किसानों के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि (उनकी) सरकार इन

तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित करने का अपना निर्णय स्पष्ट कर चुकी है और इसमें कोईबदलाव नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि चूंकि द्रमुक के सत्ता संभालने के बाद यह पहला सत्र है और जब राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस चल रही है तब ऐसे प्रस्ताव स्वीकार करना उपयुक्त नहीं होगा। स्टालिन ने कहा कि इसी प्रकार, चूंकि सीएए ने ''देशभर के अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को प्रभावित किया है और उनके बीच डर फैल गया है'' इसलिए केंद्र से इस संशोधित नागरिकता कानून को भी वापस लेने की मांग करते हुए बजट सत्र में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त ने कहा- सभी तटबंध सुरक्षित, कहीं भी किसी प्रकार की चिन्ताजनक परिस्थिति नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

गत 24 घंटे में प्रदेश में 0.7 मि.मी. वर्षा हुई है, जो सामान्य वर्षा से 3.6 मि.मी. के सापेक्ष 19 प्रतिशत है। इस प्रकार प्रदेश में 01 जून, 2021 से अब तक 127.8 मि.मी. औसत वर्षा हुए, जो सामान्य वर्षा 49.5 के सापेक्ष 258 प्रतिशत है। प्रदेश के वर्षा से प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. तथा पी.ए.सी. की कुल 33 टीमें तैनाती की गयी है, 48 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है तथा 60 मेडिकल टीमें लगायी गयी। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ द्वारा 150 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। विगत 24 घंटों में 120 फूड पैकेट वितरित किए गये। अब तक कुल 4941 फूड पैकेट वितरित किए गये हैं। गंगा नदी-कचला ब्रिज बदायूँ में, शारदा नदी-पलियाकला लखीमपुर खीरी में, घाघरा नदी-तुर्तीपार बलिया में खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 288 बाढ़ शरणालय तथा 343 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी है। प्रदेश में विगत 24 घंटों में स्थापित किए गए पशु शिविर की संख्या 06 अब तक कुल 28 पशु शिविर स्थापित किये गये हैं। विगत 24 घंटों में पशु टीकाकरण की संख्या 955 तथा अब तक कुल पशु टीकाकरण की संख्या 18,750 है।

उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त रणवीर प्रसाद ने वर्षा की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश के वर्तमान में सभी तटबन्ध सुरक्षित हैं, कहीं भी किसी प्रकार की चिन्ताजनक परिस्थिति नहीं है। गत 24 घंटे में प्रदेश में 0.7 मि.मी. वर्षा हुई है, जो सामान्य वर्षा से 3.6 मि.मी. के सापेक्ष 19 प्रतिशत है। इस प्रकार प्रदेश में 01 जून, 2021 से अब तक 127.8 मि.मी. औसत वर्षा हुए, जो सामान्य वर्षा 49.5 के सापेक्ष 258 प्रतिशत है। प्रदेश के वर्षा से प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. तथा पी.ए.सी. की कुल 33 टीमें तैनाती की गयी है, 48 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है तथा 60 मेडिकल टीमें लगायी गयी है। एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. द्वारा 150 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। प्रसाद ने बताया कि विगत 24 घंटों में 120 फूड पैकेट वितरित किए गये। अब तक कुल 4941 फूड पैकेट वितरित किए गये हैं। उन्होंने बताया कि गंगा नदी-कचला ब्रिज बदायूँ में, शारदा नदी-पलियाकला लखीमपुर खीरी में, घाघरा नदी-तुर्तीपार बलिया में खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 288 बाढ़ शरणालय तथा 343 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी है। प्रदेश में विगत 24 घंटों में स्थापित किए गए पशु शिविर की संख्या 06 अब तक कुल 28 पशु शिविर स्थापित किये गये हैं। विगत 24 घंटों में पशु टीकाकरण की संख्या 955 तथा अब तक कुल पशु टीकाकरण की संख्या 18,750 है।

कोविड संकट पर राजनीति कर रहे हैं राहुल गांधी: कांग्रेस के श्वेत पत्र पर भाजपा का बयान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कोरोना वायरस संकट को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। गांधी ने कोविड-19 महामारी से जुड़े सरकार के प्रबंधन को लेकर एक ''श्वेत पत्र'' जारी किया है। अपनी पार्टी द्वारा तैयार किए गए ''श्वेत पत्र'' को जारी करते हुए, गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि सरकार का कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर का प्रबंधन ''त्रासदीपूर्ण'' था। गांधी द्वारा इस पत्र को जारी करने के कुछ घंटों बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कल से हमें इस बात की आशंका थी। कोरोना वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई में जब भी कुछ अच्छा होता है तो कांग्रेस और विशेषकर राहुल गांधी इसे पटरी से उतारने के लिए कुछ करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''कल एक महत्वपूर्ण दिन था जब भारत एक दिन में टीके की 87 लाख खुराक देने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। लोग उत्साहित नजर आए। ऐसा लग रहा है कि भारत कोरोना वायरस के खिलाफ अपनी लड़ाई में जीत रहा है, तभी राहुल गांधी ने श्वेत पत्र की बात की और उसे पटरी से उतारने की कोशिश की।''

पात्रा ने कहा कि महामारी पर काबू पाने की लड़ाई की शुरुआत से ही कांग्रेस पार्टी सरकार के हर कदम पर सवाल उठाती रही है। पात्रा ने कहा, ''जब भी हम अपनी लड़ाई में एक चौराहे पर होते हैं, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने राजनीति कर प्रयासों को पटरी से उतारने की कोशिश की है। वास्तव में, कांग्रेस ने हमारे रास्ते में बाधाएं और अड़चनें पैदा करने के लिए अथक प्रयास किये है।'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दूसरी लहर कांग्रेस शासित राज्य से शुरू हुई, संक्रमितों की संख्या सबसे अधिक कांग्रेस शासित राज्यों से थी और इसलिए सबसे ज्यादा मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में टीके को लेकर सबसे अधिक हिचकिचाहट देखी गई और इसलिए कोविड-19 संक्रमण की दर सबसे अधिक रही। उन्होंने कहा, ''टीकों के विकेंद्रीकरण की मांग कांग्रेस शासित राज्यों से आई और फिर यू-टर्न लेते हुए केंद्रीकरण की मांग भी उन्हीं की ओर से आई। ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन और श्वेत पत्र के बजाय राहुल गांधी को ऐसे राज्यों में जाकर उन्हें यह आंकड़ा देना चाहिए।'' गांधी को 'भ्रमित'

बताते हुए पात्रा ने कांग्रेस पर विरोधाभासी मांगें करने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा, ''पहले उन्होंने लॉकडाउन को 'तुगलकी' कहा, फिर उन्होंने सवाल किया कि लॉकडाउन क्यों नहीं लगाया गया... मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह कब तक सिर्फ ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन करेंगे? आप कोई वास्तविक कार्य कब करेंगे?'' उन्होंने कहा, ''अपनी पार्टी के शासित राज्यों में जाइए और वहां का हाल देखिए। राजस्थान में टीकों की बर्बादी कैसे हो रही है, पंजाब में टीकों की मुनाफाखोरी कैसे हो रही है और छत्तीसगढ़ किस तरह टीकों का दुरुपयोग कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)